News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-37
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

'कर्मों को प्राथमिकता देने वाले हर नर का जग में सत्कार होता है।'

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, बुधवार, 15 मई 2024

सिंगल कॉलम

आप ने कबूला- स्वाति मालीवाल से केजरीवाल के पीए ने की बदसलूकी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट की घटना को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। आप सांसद संजय सिंह ने बताया कि स्वाति के साथ केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने ही बदसलूकी की थी। उन्होंने कहा कि स्वाति मालीवाल के साथ हुई घटना निंदनीय थी और इसपर अरविंद केजरीवाल ने घटना का संज्ञान लेते हुए कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस मामले पर आम आदमी पार्टी की ओर से आज पहला बयान सामने आया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस घटना की पूरी जानकारी दी। संजय सिंह ने बताया कि कल एक घटना हुई थी। अरविंद केजरीवाल के आवास पर विभव कुमार जो अरविंद केजरीवाल के पीए हैं, उन्होंने स्वाति मालीवाल के साथ दुर्व्यवहार किया था। स्वाति मालीवाल ने इस घटना की जानकारी दिल्ली पुलिस को दी है। यह एक निंदनीय घटना है। अरविंद केजरीवाल ने पूरे मामले का संज्ञान लिया है और घटना में कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि स्वाति मालीवाल सोमवार को सीएम केजरीवाल से मिलने उनके आवास पहुंची थीं। वह ड्राइंग रूम में बैठी थीं। तभी केजरीवाल के पीए विभव कुमार वहां पहुंचे। उन्होंने स्वाति मालीवाल के साथ बदतमीजी की और बाद में अभद्रता भी की। स्वाति मालीवाल ने अपने साथ हुई इस घटना की जानकारी 112 पर कॉल कर दिल्ली पुलिस को दी। संजय सिंह ने कहा कि इस घटना की जितनी निंदा की जाए कम है। सोमवार सुबह दिल्ली पुलिस के पास एक महिला ने कॉल कर बताया कि उसके साथ सीएम केजरीवाल के आवास में मारपीट की गई है। कॉल करने वाली ने खुद को स्वाति मालीवाल बताया। उसने कहा कि केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने उसके साथ मारपीट और बदसलूकी की है। इस कॉल के बाद हड़कंप मच गया। बाद में जब यह कंफर्म हो गया कि ओपन कॉल आप की ही सांसद स्वाति मालीवाल का है, तब बीजेपी भी इसपर हमलावर हो गई। भाजपा ने इस मामले की निंदा करते हुए केजरीवाल पर हमलावर हो गई। इस पूरे प्रकरण पर आज पार्टी की ओर से संजय सिंह ने इसपर पूरी डिटेल बताई।

केंद्र सरकार ने लिट्टे पर बैन को 5 साल के लिए बढ़ाया गया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर लगे प्रतिबंध को मंगलवार को पांच साल के लिए और बढ़ा दिया क्योंकि संगठन लगातार लोगों के बीच अलगाववाद को बढ़ावा दे रहा है और अपने लिए भारत में, खासकर तमिलनाडु में समर्थन आधार बढ़ा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अनलॉफुल एक्टिविटी (प्रीवेंशन) एक्ट 1967 के सेक्शन 3 के सब-सेक्शन (1) और (3) को लागू करते हुए प्रतिबंध लगाया था। गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि केंद्र सरकार की राय है कि लिट्टे अब भी ऐसी गतिविधियों में लिप्त है जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए नुकसानदेह हैं। इसमें कहा गया है कि मई, 2009 में श्रीलंका में अपनी हार के बाद भी, लिट्टे ने ईलम (तमिलों के लिए एक अलग देश) की अवधारणा को नहीं छोड़ा है और वह प्रचार गतिविधियों तथा धन उगाही के माध्यम से गुप्त रूप से ईलम के लिए काम कर रहा है। अधिसूचना के अनुसार बचे हुए लिट्टे नेताओं या कैडर ने भी बिखरे हुए कार्यकर्ताओं को फिर से संगठित करने तथा स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अधिसूचना में कुछ अन्य कारणों का हवाला देते हुए कहा गया है, लिट्टे समर्थक समूह/तत्व जनता के बीच लगातार अलगाववादी प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रहे हैं और भारत तथा विशेष रूप से तमिलनाडु में लिट्टे के लिए समर्थन आधार बढ़ा रहे हैं, जिसका अंततः भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर एक मजबूत विघटनकारी प्रभाव होगा।

अब अलग-अलग राज्यों के दौरे पर निकले सीएम मोहन यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव की वोटिंग खत्म होने के बाद अब प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव देश के अन्य राज्यों में बीजेपी प्रत्याशियों के लिए प्रचार-प्रसार और जनसभा करेंगे। सीएम मोहन यादव ने मंगलवार को उत्तरप्रदेश में प्रचार किया। इसके बाद सीएम मोहन देर शाम दिल्ली पहुंचे और यहां रात्रि विश्राम किया। सीएम यादव के जारी कार्यक्रम के अनुसार सीएम सीएम यादव 15 मई को हरियाणा के रोहतक पहुंचकर प्रचार करेंगे। जबकि 16 मई को झारखंड, 17 मई को फिर उत्तरप्रदेश, 18 मई को मुंबई और 19 मई को फिर उत्तरप्रदेश में प्रचार करेंगे। लोकसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद से सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने प्रदेश की 29 लोकसभा सीटों के करीब 253 सभाएं की हैं। इनमें रोड शो-रथ सभा आदि शामिल हैं। सीएम यादव ने प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों के लिए 253 सभाएं की हैं। इनमें 142 जनसभा, 55 रथ सभा, 56 रोड शो किए हैं। वहीं मोहन यादव पार्टी के 22 प्रत्याशियों की नामांकन रैली में भी शामिल हुए हैं। इसके अलावा सीएम ने प्रदेश के 13 जिलों में रात्रि प्रवास किया है। एसे में अब मध्यप्रदेश में चार चरणों के मतदान होने के बाद सीएम मोहन यादव अब देश के अन्य प्रदेशों के लिए सक्रिय हो गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माता माधवी राजे सिंधिया के निधन की सूचना

दिल्ली एम्स में थीं भर्ती

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की माताजी माधवी राजे सिंधिया के निधन की सूचना है। वे लंबे समय से बीमार थीं और उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने दी नसीहत

अपने प्रभाव का इस्तेमाल सही दिशा में करें बाबा रामदेव

नई दिल्ली। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद की ओर से भ्रामक विज्ञापन दिए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को फिर सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव के योग के प्रति योगदान को लेकर तारीफ भी की। इसके अलावा एक नसीहत भी दी कि उन्हें अपने प्रभाव का इस्तेमाल सही दिशा में करना चाहिए। केस की सुनवाई शुरू होने पर सीनियर वकील बलबीर सिंह ने जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानुल्लाह की बेंच से कहा कि पतंजलि ने टीवी चैनलों को लिखा है। इन चैनलों पर अब भी पतंजलि के विज्ञापन चल रहे हैं। इस पर अदालत ने पतंजलि से पूछा कि आखिर उसके पास उन उत्पादों का कितना स्टॉक है, जिन पर रोक लग चुकी है। केस की

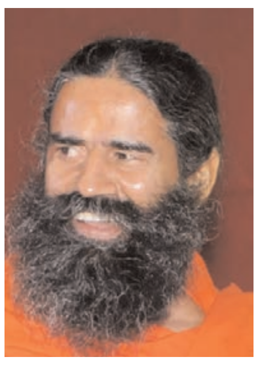

सुनवाई के दौरान अदालत ने आचार्य बालकृष्ण और बाबा रामदेव की उस मांग को भी स्वीकार कर लिया, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत पेशी से छूट की बात कही थी। जस्टिस हिमा कोहली ने कहा, बाबा रामदेव का बहुत प्रभाव है। इसे सही दिशा में इस्तेमाल करें। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बाबा रामदेव ने योग के लिए बहुत काम किया है। इस पर जस्टिस कोहली ने कहा कि बाबा रामदेव ने योग के लिए जो किया, वह अच्छी बात है। लेकिन पतंजलि के उत्पादों का मामला अलग है। इसके साथ ही बाबा रामदेव और बालकृष्ण के खिलाफ अदालत की अवमानना के मामले में फैसला रिजर्व रख लिया। अब इस केस की अगली सुनवाई 9 जुलाई को होगी। सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट दाखिल करने के बाद भी अपने भ्रामक विज्ञापन जारी रखने को लेकर पतंजलि के मुखिया रामदेव और बालकृष्ण पर अवमानना का केस चल रहा है। अदालत ने कहा कि यह मामला इस चीज का है कि जनता को उत्पादों के बारे में बताया जाए। बेंच ने कहा, लोगों को समझ है और उन्हें अपनी पसंद चुनने का हक है। लेकिन उन्हें पूरी जानकारी मिलनी चाहिए। दरअसल पतंजलि के खिलाफ आईएमए ने केस दायर किया था, जिसमें कहा गया था कि कोरोना, डायबिटीज और बीपी जैसी समस्याओं को दूर करने का दावा पतंजलि की दवाओं से किया जा रहा है। खासतौर पर कोरोना ठीक करने के दावे के साथ बिक रही पतंजलि की दवा कोरोनिल पर सवाल उठे थे। इन विज्ञापनों को हटाने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने बीते साल ही दिया था। इसका वादा भी पतंजलि ने किया था, लेकिन फिर भी विज्ञापन जारी रहे तो सुप्रीम कोर्ट में अवमानना का केस दायर हुआ था। इस पर शीर्ष अदालत ने खूब सुनाया था। इसके बाद पतंजलि आयुर्वेद ने अखबारों में विज्ञापन देकर माफी मांगी है।

कंज्यूमर कोर्ट में वकीलों पर नहीं चल सकता केस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत सेवा में कोताही के लिए वकील को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि वकीलों पर सेवा में कोताही के लिए कंज्यूमर कोर्ट में केस नहीं चलाया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि लीगल प्रोफेशन अलग तरह का प्रोफेशन है और इसका काम एक विशेष नेचर का होता है और इसकी तुलना किसी अन्य व्यवसायों से नहीं की जा सकती है। वकीलों को अपने क्लाइंट की स्वायत्तता का सम्मान करना होता है और यही कारण है कि वकीलों का कंट्रोल काफी हद तक उनके क्लाइंट के पास होता है। अदालत ने कहा कि यह सेवा कंज्यूमर संरक्षण एक्ट के दायरे से बाहर है। दरअसल राष्ट्रीय उपभोक्ता अदालत (एनसीडीआरसी) ने 2007 के एक फैसले में कहा था कि वकीलों और उनकी सेवाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियन के तहत उसके दायरे में हैं। इस फैसले को बार कॉउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली हाईकोर्ट बार एसोसिएशन और बार ऑफ इंडियन लॉयर्स और अन्य की ओर से सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उक्त याचिका पर सुनवाई के बाद फैसला दिया है और नेशनल कंज्यूमर कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वकीलों को कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 1986 के दायरे में सेवा में कोताही के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। अदालत ने कहा है कि वकालत के पेशे से जुड़े लोग अन्य व्यवसाय से अलग हैं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि वकीलों के खिलाफ सेवा में कोताही के लिए कंज्यूमर कोर्ट में किया गया केस स्वीकार्य नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्तल की बेंच ने 2007 के नैशनल कंज्यूमर फोरम के फैसले को पलट दिया। नैशनल कंज्यूमर फोरम ने वकीलों की सेवा को कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट के तहत दी जाने वाली सेवा के दायरे में ला दिया था।

वाइट हाउस में गूंजा सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा...

वाशिंगटन। वाइट हाउस के मरीन बैंड ने एशियन अमेरिकियों के लिए भारतीय देशभक्ति गीत सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा चलाया। वार्षिक कार्यक्रम में मेहमानों के लिए भारतीय व्यंजन भी परोसे गए, जिसमें गोलगप्पा, समोसे और भारतीय मिठाइयां शामिल थीं। एक साल से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब भारतीय देशभक्ति गीत गाया गया। पिछली बार 23 जून 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजकीय यात्रा के दौरान यह गीत चलाया गया था। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता अजय जैन भुटोरिया ने बताया कि यह कार्यक्रम अमेरिका-भारत मजबूत संबंधों को दर्शाता है। यह आयोजन वाइट हाउस की पहल और एशियाई अमेरिकियों, मूल हवाईयन और प्रशांत आइलैंड के लिए राष्ट्रपति के सलाहकार आयोग की स्थापना के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया गया। इस वार्षिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने लोगों का स्वागत किया। राष्ट्रपति की तरफ से भारतीय मूल के अमेरिकियों को भी आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में पहुंचे भारतीय मूल के अमेरिकी नेता अजय भुटोरिया ने बताया कि यह वाइट हाउस के रोज गार्डन में एक अद्भुत उत्सव था। सबसे अच्छी बात यह थी कि जैसे ही मैं वाइट हाउस में पहुंचा। संगीतकारों ने हज़ारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा गीत बजाकर हमारा स्वागत किया। रिसेप्शन में भारतीय स्ट्रीट फूड भी शामिल थे, जिसमें गोलगप्पा (पानी पुरी), समोसे और भारतीय मिठाइयां शामिल थीं। भुटोरिया ने बताया, पिछले साल जब मैं यहां था, वहां गोलगप्पे थे।

सरकार ने ब्लॉक की 1000 ठगों की स्काइप आईडी

नई दिल्ली। सरकार ने देश में तेजी से बढ़ी रही डिजिटल अरेस्ट और ब्लैकमेल की घटनाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने 1,000 स्काइप आईडी को ब्लॉक किया है। इसके अलावा इस तरह के स्कैम में शामिल कई हजार सिम कार्ड भी ब्लॉक हुए हैं। सरकार ने इसके लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी की है। यह कार्रवाई भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की ओर से की गई है। गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, देश में साइबर अपराध से निपटने से संबंधित गतिविधियों का समन्वय करता है। गृह मंत्रालय इन धोखाधड़ी से निपटने के लिए अन्य मंत्रालयों और उनकी एजेंसियों, आरबीआई और अन्य संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। मामलों की पहचान और जांच के लिए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस अधिकारियों को इनपुट और तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है। माइक्रोसॉफ्ट की मदद से ब्लैकमेलिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसी गतिविधियों में शामिल 1,000 से अधिक स्काइप आईडी को भी ब्लॉक कर दिया है। बता दें कि स्काइप एक वीडियो कॉलिंग एप है जो कि माइक्रोसॉफ्ट का है। इसके अलावा ऐसे धोखेबाजों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सिम कार्ड, मोबाइल और सोशल मीडिया खातों को भी ब्लॉक किया गया है। स्काइप पर यह कार्रवाई इसलिए हुई है क्योंकि अभी तक डिजिटल अरेस्ट के जितने भी मामले सामने आई हैं उनके स्काइप का ही इस्तेमाल किया गया है। डिजिटल अरेस्ट ब्लैकमेल करने का एक एडवांस तरीका है। डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार वही लोग होते हैं जो अधिक पढ़े लिखे और अधिक होशियार होते हैं। डिजिटल अरेस्ट का सीधा मतलब ऐसा है कि कोई आपको ऑनलाइन धमकी देकर वीडियो कॉलिंग के जरिए आप पर नजर रख रहा है। डिजिटल अरेस्ट के दौरान साइबर ठग नकली पुलिस अधिकारी बनकर लोगों को धमकाते हैं और अपना शिकार बनाते हैं। कई बार डिजिटल अरेस्ट वाले ठग लोगों को फोन करके कहते हैं कि वे पुलिस डिपार्टमेंट या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से बात कर रहे हैं। ये कहते हैं कि आपके पैन और आधार का इस्तेमाल करते हुए जमीन खरीदी गई है या फिर मनी लॉन्ड्रिंग की गई है। इसके बाद ये वीडियो कॉल करते हैं और सामने बैठे रहने के लिए कहते हैं। इस दौरान किसी से बात करने, मैसेज करने और मिलने की इजाजत नहीं होती। इस दौरान जमानत के नाम पर लोगों से पैसे भी मांगे जाते हैं।

ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया

आप को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बनाया जाएगा आरोपी

नई दिल्ली। शराब घोटाले की जांच कर रही ईडी ने मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट में वह ऐलान कर दिया, जिसको लेकर पिछले कुछ महीनों से खूब अटकलें चल रहीं थीं। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने साफ कह दिया कि वह जल्द ही आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाने जा रही है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत में ईडी के वकील जोएब हुसैन ने कहा, नए चार्जशीट में आम आदमी पार्टी को सह आरोपी बनाया जाएगा। जांच एजेंसी के वकील ने आगे कहा कि आरोपी व्यक्तियों की ओर से आरोप तय करने की प्रक्रिया में देरी की कोशिश की जा रही है। सिसोदिया के लिए जमानत मांगते हुए सिसोदिया के वकील ने कहा कि ईडी और सीबीआई अभी भी लोगों की गिरफ्तारी कर रही है और ट्रायल के जल्द निष्कर्ष का सवाल नहीं है। दावे के मुताबिक यदि ईडी आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाती है तो यह पहली बार होगा जब किसी राष्ट्रीय दल के खिलाफ पीएमएलए का केस दर्ज होगा। जानकारों का मानना है कि आरोपी बनाए जाने से आम आदमी पार्टी के खिलाफ मुसीबतें के नए दौर की शुरुआत हो सकती है। पार्टी की संपत्ति से लेकर निशान तक पर खतरा मंडरा सकता है। एक दशक पहले भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के कोख से जन्मी पार्टी के मुखिया समेत कई नेता कथित शराब घोटाले में पहले ही जेल जा चुके हैं। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल फिलहाल 21 दिन की अंतरिम जमानत पर बाहर निकले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें लोकसभा चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने के लिए राहत दी है।

ईडी का आरोप है कि वित्त वर्ष 2021-22 की शराब नीति में भ्रष्टाचार हुआ। केंद्रीय जांच एजेंसी का दावा है कि शराब कारोबारियों को गलत तरीके से फायदा पहुंचाया गया और बदले में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने रिश्वत ली। ईडी कोर्ट के सामने यह भी कह चुकी है कि घोटाले की रकम का फायदा आम आदमी पार्टी को भी मिला। दावा है कि गोवा में विधानसभा चुनाव के दौरान प्रचार में इसका इस्तेमाल किया गया। यही वजह है कि ईडी अब आम आदमी पार्टी को घोटाले की लाभार्थी बताते हुए आरोपी बनाने जा रही है। हालांकि, आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार की ओर से लगातार इन आरोपों को खारिज किया गया है। पार्टी का दावा है कि झूठे केस में उसके नेताओं को फंसाया जा रहा है और भाजपा उनके दल को खत्म करने की साजिश रच रही है।

महामंडलेश्वर बनाने का खेल रचने वाली मंदाकिनी पुरी गिरफ्तार

उज्जैन। एक पूर्व महामंडलेश्वर के कारनामे उजागर होने के बाद सभी दंग हैं। उज्जैन पुलिस ने निरंजनी अखाड़े से निष्कासित की गई पूर्व महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी पर शिकंजा कस दिया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल ठगी के एक मामले में मंदाकिनी पुरी के खिलाफ एक व्यापारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। जिस पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। इससे बचने के लिए महामंडलेश्वर मंदाकनी पुरी ने कीटनाशक पी लिया था और गंभीर अवस्था में अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।

अब हालत ठीक होते ही पुलिस ने मंदाकनी पूरी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि ममता जोशी के खिलाफ पुलिस को और भी शिकायतें मिली हैं जिस पर जांच-पड़ताल के बाद

एफआईआर दर्ज हो सकती है। हालांकि, फिलहाल 2 लोगों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है। पूछताछ और जांच के बाद पुलिस मंदाकिनी को कोर्ट में पेश करेगी। चिमनगंज थाने में निरंजनी अखाड़ा के संत सुरेशचरानंद पुरी महाराज ने 6 मई की रात महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी पर धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया था।

मामला दर्ज होते ही मंदाकनी पूरी को महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया गया। मामले की जानकारी लगते ही मंदाकिनी पुरी ने कीटनाशक पी कर जान देने का प्रयास किया और गंभीर हालत में अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती हो गईं। इस दौरान महंत ने पुलिस को बताया था कि महामंडलेश्वर मंदाकिनी पुरी उर्फ ममता जोशी ने पंचायती निरंजनी अखाड़े में महामंडलेश्वर की उपाधि दिलवाने के नाम पर 7 लाख 50 हजार रुपये लिए और बाद में वो पलट गईं। अखाड़ा परिषद में संपर्क किया गया तो उन्हें बताया गया कि रुपये लेकर उपाधि नहीं दी जाती। महंत का आरोप है कि जब इसके बाद उन्होंने रकम वापस मांगी तो मंदाकिनी ने पैसे देने से मना कर दिया। इसके बाद एक हर्बल कंपनी ने भी 2 लाख रुपये का माल लेने और रुपये नहीं देने की शिकायत पुलिस से की थी। वहीं जयपुर के महामंडलेश्वर नर्मदाशंकर ने 10 मई को महाकाल थाने में शिकायत दर्ज कराई और उन पर आरोप लगाते हुए कहा, हमें निजी स्कूल के शिक्षक एवं संत हूं। इस दौरान मंदाकिनी पुरी ने आचार्य महामंडलेश्वर बनाने का झांसा देकर कहा था कि अखाड़े में प्रमोशन हो जाएगा, लेकिन 10 से 12 लाख रुपये लगेंगे। मैंने यह राशि उन्हें पिछले सात महीने में अलग-अलग किस्तों में दिए। उन्हें कुल 8 लाख 90 हजार ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए थे। इस मामले की शिकायत महाकाल थाना पुलिस को की गई है।

विवादित किताब मामले में लॉ कॉलेज के निलंबित प्रिंसिपल के खिलाफ केस खारिज

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर के शासकीय लॉ कॉलेज की लाइब्रेरी में मिली कथित विवादित किताब मामले में निलंबित प्रिंसिपल प्रो.इनामुर्रहमान को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रिंसिपल के खिलाफ कार्यवाही और एफआईआर को रद्द कर दिया है। बता दें कि प्रो.इनामुर्रहमान इसी महीने के आखिर में रिटायर होने वाले हैं। इंदौर हाईकोर्ट से याचिका निरस्त होने के बाद प्रिंसिपल ने इसी महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एफआईआर रद्द करने की पुष्टि प्रो.इनामुर्रहमान के एडवोकेट अभिनव धनोतकर ने की है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, जिस पर मंगलवार को सुनवाई हुई।
साल 2022 के दिसंबर में यह मामला सामने आया। शासकीय लॉ कॉलेज के शिक्षकों पर धार्मिक कट्टरता फैलाने का आरोप लगा। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। यहां के छात्रों ने भंवरकुआं थाने में पुलिस को एक आवेदन दिया, इसके साथ इससे जुड़े सबूत भी दिए गए। मामले में किताब के लेखक डॉ. फरहत खान, इंदौर शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय के प्राचार्य इनामुर्रहमान, कॉलेज के प्रोफेसर डॉ.मिर्जा मोईज के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की गई। पुलिस

को दिए आवेदन के साथ किताब सामूहिक हिंसा एवं दाण्डिक न्याय पद्धति का लेखन संलग्न की गई। आरोप लगाया कि किताब में लेखक द्वारा जानबूझकर असत्य एवं बिना किसी साक्ष्य के आधार पर हिन्दू धर्म के विरुद्ध नितांत झूठी टिप्पणियां की। विषयांतर्गत पुस्तक को इंदौर शासकीय विधि महाविद्यालय के मुस्लिम शिक्षकों द्वारा जानबूझकर छात्रों को रेफर किया गया।

जांच अधिकारी के खिलाफ नोटिस जारी करेंगे
सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की जमकर खिंचाई की। आपराधिक कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार करने के लिए मप्र हाई कोर्ट की खिंचाई हुई। बेंच ने कार्यवाही और एफआईआर को रद्द करते हुए कहा कि यह मामला सिलेबस के बारे में है। सुनवाई के दौरान रउ के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता ने कहा कि राज्य ऐसे मामले में उत्पीड़न करने के लिए इतना उत्सुक क्यों है। यह पुस्तक तो सुप्रीम कोर्ट की लाइब्रेरी में भी मिल सकती है। वह (प्रो.इनामुर्रहमान) पहले से ही अग्रिम जमानत पर बाहर थे। न्यायमूर्ति गवई ने पूछा, राज्य (मध्य प्रदेश) ऐसे मामले में एक अतिरिक्त महाधिवक्ता को पेश करने में क्यों दिलचस्पी रखता है? वह भी चेतावनी पर ? ! जाहिर है, यह उत्पीड़न का मामला लगता है ! किसी को उसे (याचिकाकर्ता को) परेशान करने में दिलचस्पी है ! हम आईओ (जांच अधिकारी) के खिलाफ नोटिस जारी करेंगे ! राज्य को इस मामले में कैविएट दाखिल करने में दिलचस्पी क्यों है?

प्रिंसिपल ने इंदौर हाईकोर्ट में दायर की थी याचिका
पिछले दिनों प्रिंसिपल ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसमें रिटायरमेंट की बात कहते हुए एफआईआर निरस्त करने की मांग की थी। याचिका में यह भी उल्लेख किया कि लाइब्रेरी में किताब पहले से रखी हुई थी। पुलिस ने बगैर जांच किए सीधे केस दर्ज कर लिया। रिटायरमेंट के बाद की सुविधाओं पर इस एफआईआर से असर होगा। पुलिस ने इस पर आपत्ति लेते हुए कहा था कि एफआईआर पर रोक लगने से पूरी जांच प्रभावित हो जाएगी। पुलिस इस बारे में जल्द ही चालान पेश करने वाली है। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

लेखक पर असत्य टिप्पणियां करने का आरोप
आरोप था कि किताब में लेखक द्वारा जानबूझकर असत्य एवं बिना किसी साक्ष्य के हिंदू धर्म के विरुद्ध असत्य टिप्पणियां की हैं। लेखक ने राष्ट्र विरोधी मुहिम के तहत पुस्तक में हिंदू धर्म और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध झूठे तथ्यों को लिखा। इस मामले में शासन ने प्राचार्य इनामुर्रहमान को निलंबित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच भी बैठा दी थी। इनामुर्रहमान इसके बाद से ही जमानत पर हैं।

मेयर ने कहा- घोटालेबाज अफसरों से वसूलेंगे पैसा

ड्रेनेज घोटाले में चार अफसर सस्पेंड

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर नगर निगम में हुए 100 करोड़ के घोटाले में सरकार ने चार अफसरों को निलंबित किया है। यह अफसर लेखा विभाग के है। उनकी जिम्मेदारी थी कि फाइलों को बारिकी से निरीक्षण कर भुगतान के लिए उसे भेजे,लेकिन उन्होंने इस काम में लापरवाही बरती और वे खुद घोटाले में लिप्त पाए गए। चारों अफसर लंबे समय से स्थानीय अंकेक्षण विभाग में पदस्थ थे। वित्त विभाग के अवर सचिव विजय कठाने ने संयुक्त संचालक अनिल कुमार गर्ग को निलंबित किया। गर्ग ने ही फर्जी फाइलों के बिलों को मंजूरी दी थी और ठेकेदारों को भुगतान भी हो गया था। गर्ग के अलावा उप संचालक समर सिंह परमार, रामेश्वर परमार व जेए अ?हेरिया को भी निलंबित किया गया है। चारों को सागर में भेजा गया है। इन चारों अफसरों ने बिल मंजूर किए थे,जबकि यदि वे फाइलों का बारिकी से निरीक्षण करते तो घोटाला पहले ही पकड़ में आ सकता था। इन चारों अफसरों की घोटाले में जांच को लेकर निगमायुक्त शिवम वर्मा ने राज्य सरकार को लिखा था। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि दो तीन साल पुराने कामों के बिल भुगतान के लिए लगाए गए। यदि बजट में से राशि कामों के लिए खर्च हो

रही है तो तत्कालीन अफसरों की जिम्मेदारी थी कि वे उन कामों का भौतिक सत्यापन करें, लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया। मेयर ने कहा कि उच्च स्तरीय जांच में उनकी भूमिका की भी जांच होना चाहिए। उन्होंने कहा कि घोटालेबाज अफसरों से ही घोटाले की राशि वसूली जाए, इसके लिए कानून भी है। भार्गव ने कहा कि नाला टैपिंग प्रोजेक्ट की भी जांच होना चाहिए।

अभय राठौर के इनकम टैक्स रिटर्न की जांच रही पुलिस
ड्रेनेज घोटाले के आरोपी अभय राठौर से पूछताछ जारी है। राठौर की संपत्ति, इनकम टैक्स रिटर्न और बैंक खातों का विश्लेषण चल रहा है। उधर घोटाले में लिप्त तीन आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया है। 59 वर्षीय निलंबित एक्जीक्यूटिव इंजीनियर अभय राठौर को पुलिस ने 15 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया है। अभय द्वारा फजीर्वाड़ा करना स्वीकार लिया है। उसने कुछ कर्मचारियों के नाम बताए है जो शासकीय फाइलें उपलब्ध करवाते थे।

लोकायुक्त में हुई शिकायत
जोन-3 के डीसीपी पंकज पांडे के मुताबिक राठौर के खिलाफ आर्थिक अपराध ब्यूरो, लोकायुक्त में भी शिकायतें हो चुकी है। पुलिस उसकी संपत्ति की जांच के साथ साथ इनकम टैक्स रिटर्न का रिकार्ड जांच रही है ताकि घोटाले की जांच से लिंक जोड़ी जा सके। उधर पुलिस ने आरोपित राहुल बढ़ेरा,राजकुमार सालवी और मोहम्मद जाकीर को कोर्ट पेश कर जेल भेज दिया।

सुबह साढ़े तीन बजे लग पाया स्ट्रांग रुम में ताला

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार शाम हुई तेज बारिश का असर मतदान पर भी पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों के कई पोलिंग बूथों पर बिजली गुल हो गई और अंधेरे में पोलिंग पार्टियों को बची प्रक्रिया करने में समय लगा। इस कारण मतदान सामग्री स्थल नेहरू स्टेडियम में रात डेढ़ बजे तक बसों में सवार होकर पोलिंग पार्टियां आती रहीं। अलसुबह साढ़े तीन बजे महू और देपालपुर विधानसभा के स्ट्रांग रूमों को ताला लगाकर सील किया गया। अब ये कक्ष चार जून को मतगणना के दौरान ही खुलेंगे।
इंदौर लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस वर्सेस नोटा के बीच मुकाबला रहा। इंदौर लोकसभा सीट के आठ विधानसभा क्षेत्रों में 61 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान छह बजे समाप्त हो चुका था, लेकिन बारिश और बिजली गुल होने के कारण महू, देपालपुर के कई बूथों पर ईवीएम सील करने,दस्तावेजों को व्यवस्थित करने में रात 9 बजे तक का समय लग गया। स्टेडियम के गेट नंबर छह से पोलिंग पार्टियों को प्रवेश की व्यवस्था की गई थी।

रात साढ़े 12 बजे महू के चंदनखेड़ी गांव के बूथ से लौटे कर्मचारियों ने बताया कि शाम पांच बजे बिजली गुल हो गई थी। मोमबत्ती में मतदान कराना पड़ा और मतदान के बाद की प्रक्रिया में भी इस कारण देर हो गई। महू गांव के गायकवाड़ स्कूल बूथ पर भी बिजली गुल होने के कारण पोलिंग पार्टियों को लौटने में देरी हो गई। स्टेडियम में अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के हिसाब से स्ट्रांग रूम बनाए गए थे।
सबसे पहले तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम को सील किया गया। सबसे अंत में देपालपुर और महू के स्ट्रांग रूम पर सुबह तीन बजे उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ताला लगाया गया। प्रशासन ने इसकी वीडियोग्राफी भी कराई। इंदौर जिले का महू विधानसभा क्षेत्र धार लोकसभा का हिस्सा है। धार लोकसभा क्षेत्र की दूसरी विधानसभा सीटों के वोटों गिनती तो धार में होगी, लेकिन महू क्षेत्र के वोटों की गिनती इंदौर में होगी और मतों की जानकारी धार भेज दी जाएगी।
सभी ईवीएम रखे जाने के बाद स्ट्रांग रूम का बिजली कनेक्शन काट दिया गया, ताकि शॉर्ट सर्किट के कारण अग्नि हादसा न हो सके। स्ट्रांग रूम के बाहर सीआरपीएफ के जवान तैनात किए गए हैं।

यूजी-इंटीग्रेटेड कोर्स में प्रवेश के लिए आज होगी सीयूईटी

सिटी चीफ इंदौर।
देशभर के 250 शैक्षणिक संस्थानों से संचालित अंडर ग्रेजुएशन और इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी यूजी) बुधवार से शुरू होगा। 15 से 24 मई के बीच होने वाली परीक्षा में 13 लाख 80 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने आनलाइन और आफलाइन दोनों पद्धति से परीक्षा रखी है। इसमें विद्यार्थियों को अलग-अलग दिन और सत्र में पेपर देना होंगे। एजेंसी के मुताबिक भाषा और सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र कम्प्यूटर आधारित परीक्षा होगी, जबकि विषय संबंधित प्रश्न पत्र ओएमआर शीट पर करवाई जाएगी। परीक्षा के लिए 380 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। अकेले इंदौर में पांच से सात केंद्र रखे गए हैं।

28 कोर्स की 1400 सीटें
सीयूईटी यूजी में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की विभिन्न अध्ययनशालाओं से संचालित 28 कोर्स में विद्यार्थियों को दाखिला मिलेगा, जिसमें एमबीए-एमसीए, एमटेक इंटीग्रेटेड, बीए इकानोमिक्स, बीकाम, बीबीए, बीए पत्रकारिता सहित पाठ्यक्रम होंगे। करीब 1400 सीटें रखी गई हैं। इन पाठ्यक्रमों में 1 लाख 5 हजार विद्यार्थियों ने दिलचस्पी दिखाई है। सीयूईटी समन्वयक डा. कन्हैया आहूजा का कहना है कि परीक्षा को लेकर एजेंसी ने केंद्र

निर्धारित की है। शेड्यूल भी पोर्टल पर अपलोड कर रखा है।

63 विषयों के रखेंगे पेपर
एजेंसी के मुताबिक एनटीए ने यूजी-इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 63 टेस्ट पेपर रखे हैं। इनसमें 33 भाषाई, 27 संबंधित विषय और 1 सामान्य ज्ञान पेपर शामिल है। ये पेपर 45 और 60 मिनट समयवाधि के पेपर होंगे। 33 भाषाई का प्रश्न पत्र की कम्प्यूटर आधारित परीक्षा होगी। केमेस्ट्री, फिजिक्स, इंजीनियरिंग, कम्प्युटर साइंस, कामर्स, अर्थशास्त्र, अकाउंट सहित अन्य विषय संबंधित पेपर ओएमआर शीट पर रखे हैं।

ये है गाइडलाइन
-छात्र-छात्राओं को पेपर शुरू होने से डेढ़ घंटे पहले केंद्र पहुंचना होगा।
-एडमिट कार्ड के अलावा अन्य फोटो पहचान पत्र बताना होगा।
-स्मार्ट वाच, केल्कुलेटर, मोबाइल सहित अन्य इलेक्ट्रानिक आइटम प्रतिबंधित।
-सिर्फ पारदर्शी बोतल में पानी लेकर जाने की अनुमति।
-पेपर शुरू होने के बाद विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिलेगा।

मुंबई से सोमवार रात को आने वाली दो उड़ानें मंगलवार सुबह पहुंचीं

सिटी चीफ इंदौर।
मुंबई में मौसम बिगड़ने से इंदौर आने जाने वाली कई फ्लाइट घंटों लेट हो गईं। मुंबई से सोमवार रात को इंदौर आने वाली दो उड़ानें मंगलवार सुबह पहुंचीं। बताया जा रहा है की 20 से ज्यादा उड़ानें तय समय से कई घंटे लेट है, जिससे सैकड़ों यात्री कल शाम से आज सुबह तक परेशान होते रहे। एयरपोर्ट प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई में तेज हवाएं चलने के कारण मुंबई से सीधे इंदौर आने वाली और मुंबई से अन्य शहरों तक जाकर इंदौर आने वाली उड़ानें प्रभावित हुईं। मुंबई पहुंची कई उड़ानों को उतरने की अनुमति न मिलने पर उन्हें अन्य शहरों के लिए डायवर्ट भी किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा लेट सोमवार रात 11 बजे मुंबई से आने वाली उड़ान रही, जो मंगलवार तड़के 3.40 बजे इंदौर पहुंची। वहीं पुणे से सोमवार रात 2.50 बजे आने वाली उड़ान मंगलवार सुबह 7 बजे इंदौर पहुंची। मुंबई से सोमवार शाम 6.05 बजे आने वाली उड़ान भी इसी दिन रात 10.05 बजे इंदौर आई। वहीं मुंबई से रात 7.55 बजे आने वाली उड़ान रात 10 बजे इंदौर आई। दिल्ली से रात 9.55 बजे आने वाली फ्लाइट रात 11.40 बजे इंदौर आई। हैदराबाद से रात 10.25 बजे आने वाली फ्लाइट रात 2.50 बजे इंदौर आई।
उड़ानों में देरी से आने से जाने वाली उड़ानें भी लेट रहीं। इनमें प्रमुख उड़ानों की बात करें तो सबसे ज्यादा लेट रात 11.05 बजे मुंबई जाने वाली उड़ान तडके 3.45 बजे रवाना हुई और 11.55 बजे पुणे जाने वाली उड़ान मंगलवार सुबह 4.30 बजे रवाना हुई।

कई इलाकों में देर शाम हल्की बूंदाबांदी दो दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर में मंगलवार शाम मौसम बदल गया। शहर के पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र में करीब 5 बजे हल्की बूंदाबांदी हुई। शाम चार बजे से ही विजय नगर, एलआईजी और खजराना क्षेत्र में बादल छाए हुए थे। इसके बाद कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हुई। इसके पूर्व दिन में काफी उमस रही और तापमान 38.4 (-2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इंदौर में पिछले चार दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव चल रहा है। सोमवार दोपहर 2 बजे तक भीषण गर्मी रही और फिर बादलों के छाने के साथ मौसम बदल गया। शाम को कहीं-कहीं हल्की बारिश तो कहीं ओले भी गिरे। पिछले 24 घंटों में दिन के तापमान में 1 डिग्री और रात के तापमान में 3 डिग्री की गिरावट आई है। मंगलवार सुबह से ही बादल छाए हैं और गर्मी कम है। मौसम वैज्ञानिकों ने आज दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ इंदौर संभाग में कहीं-कही बूंदाबांदी तो कहीं हल्की बारिश के आसार जताए थे। रविवार को दिन का तापमान 39.1 (-1) डिग्री और रात का तापमान 26 (+2) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। इसके बाद सोमवार को दोपहर 2 बजे तक भीषण गर्मी रही। इसके साथ ही 21 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवा चली। फिर बादल छा गए और तापमान 1 डिग्री लुढ़ककर 38.3 (-2) डिग्री पर आ गया। रात का तापमान भी 3 डिग्री लुढ़ककर 23 (-1) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ लाइन गुजरने की वजह से मध्य प्रदेश में ओले, बारिश, आंधी और आकाशीय बिजली गिरने या चमकने का दौर चल रहा है। 16 मई तक ऐसा ही मौसम रहेगा। इंदौर में आज दोपहर बाद तेज हवा चलने के साथ बूंदाबांदी या हल्की बारिश हो सकती है।

हिमालय पर ट्रैकिंग कर लौटी टीम, मई में भी 2 फीट बर्फ में धंस रहे थे पैर

सिटी चीफ इंदौर।
हिमालयन ट्रेक के रानी सुई लेक में मई माह में भी इतनी बर्फ है कि यहां पर ट्रेकिंग करने वालों के पैर दो फीट तक धंसने लगे। इसके साथ ही मौसम इतना ठंडा हो गया कि पानी की बोतल भी जम जाती है। पानी गर्म करके पीना पड़ता है। कई मुश्किलों के बावजूद सफ्ल ट्रेकिंग कर ही ली। यह अनुभव हाल ही में हिमालयन ट्रेकिंग से लौटे दल के युवाओं ने साझा किए है। 45 युवाओं का दल रानी सुई लेक पर गया था। सभी ने यह सोचकर मई माह में जाने का प्लान बनाया था कि इस माह में यहां बर्फ कम या न के बराबर होगी। ट्रेकिंग आसानी से हो जाएगी, लेकिन उनकी यह सोच गलत साबित हुई और मौसम में परिवर्तन के कारण मई माह में भी इतनी बर्फ थी, जितनी मार्च में मिलती है।

पहले कराई प्रैक्टिस

ट्रेकिंग एक्सपर्ट राकेश जैन ने बताया कि इतनी अधिक बर्फ होने के चलते ग्रुप के सभी सदस्यों को पहले बर्फ में चलने की प्रैक्टिस कराई गई। उसके बाद ट्रेकिंग शुरू की गई। हालांकि, प्रैक्टिस के बाद भी बर्फ में पैर दो फीट तक धंसने के चलते दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

3950 मीटर ऊंचाईकी यात्रा

राकेश जैन के मुताबिक सभी ने कई दिक्कतों के बावजूद 3950 मीटर ऊंचाई की यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण की। ट्रेकिंग में थोड़ा ऊपर पहुंचने पर टेंट लगाना शुरू किया तो वह

भी संभव नहीं हो रहा था। कई बार टेंट हवा में उड़ गया। हमारे साथ 6 साल की बच्ची भी थी।

माइनस दो डिग्री तापमान
राकेश जैन के अनुसार मैं 15 साल से यहां ट्रैकिंग के लिए जा रहा हूं, लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है जब मई में इतनी बर्फ मिली है। हम जब ऊंचाई पर चढ़ने की तैयारी कर रहे थे।
उससे पहले क्षेत्र में काफी बारिश हुई थी। इससे माइनस 2 डिग्री तापमान में बर्फ में चलना मुश्किल भरा हो गया था। पीने के पानी की बोतल भी कुछ ही मिनट में बर्फ का रूप ले लेती है। इसके लिए जगह-जगह पानी को गर्म करके पीना पड़ रहा था।

प्रोफेसर सुरेश जैन के खिलाफ शिकायत

बीयू के कुलपति और कर्मचारियों की कलह पहुंची थाने

सिटी चीफ भोपाल। राजधानी भोपाल के बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू) के कुलपति प्रोफेसर सुरेश जैन द्वारा बागसेवनिया थाने में कर्मचारियों की शिकायत के बाद कर्मचारी संघ विरोध में उतर आया है। बीयू के गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के पदाधिकारी ने थाने में आवेदन देकर कर्मचारियों की शिकायत निरस्त करने और कुलपति के खिलाफ प्रताड़ना की शिकायत दर्ज करने की मांग की है। साथ ही कर्मचारियों ने अघोषित काम बंद हड़ताल शुरू कर दी है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में आचार संहिता के बीच हड़ताल पर कर्मचारियों के खिलाफ बीयू प्रशासन, आयोग से शिकायत की तैयारी कर रहा है। बीयू में परियोजना अधिकारी नरेंद्र त्रिपाठी को पूर्व में कुलपति प्रोफेसर सुरेश कुमार जैन ने बर्खास्त कर दिया था। इस पर हाई कोर्ट ने त्रिपाठी को स्टे दे दिया हुआ है। और जहां चल रही है। कुलपति जैन ने इसको लेकर लिपिक डी श्रीनाथ के खिलाफ थाने में शिकायत की है कि त्रिनाथ ने त्रिपाठी की नियुक्ति संबंधी नस्तियां, अभिलेख, दस्तावेज और फाइल है गुमा दी हैं या फिर नष्ट कर दी है इस शिकायत पर थाना प्रभारी ने श्रीनाथ को नोटिस देकर 3 दिन में जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

आचार संहिता की उल्लंघन का लगा आरोप

नोटिस के आने के बाद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हरदेव सिंह ने कुलपति को एक ज्ञापन देकर 3 दिन में शिकायत वापस लेने के लिए कहा था। लेकिन ऐसा नहीं होने पर कर्मचारी संघ के पदाधिकारी ने एक ज्ञापन में कुल गुरु पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया है। वहीं थाने में आवेदन देकर इस नियम विरोध कार्रवाई को निरस्त करने के लिए कहा गया है।

हर सप्ताह मूल्य स्थिरीकरण कोष योजना के तहत निर्धारित की जाएगी दर

5985 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर होगी चना खरीद

सिटी चीफ भोपाल। मध्य प्रदेश में अब समर्थन मूल्य पर चना की खरीद 5 हजार 985 रुपये प्रति क्विंटल की दर से होगी। नेफेड द्वारा चना खरीद के लिए हर सप्ताह मूल्य स्थिरीकरण कोष योजना के तहत इसकी दर निर्धारित की जाएगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश में इन दिनों समर्थन मूल्य पर चना की खरीद की जा रही है। नेफेड ने इस सप्ताह के लिए महाराष्ट्र में एमएसपी पर चना खरीद की दर 6 हजार 115 और राजस्थान में 5 हजार 995 रुपये निर्धारित की है। मध्य प्रदेश के चना उत्पादक किसानों के लिए अच्छी खबर यह है कि किसानों को चने का सही दाम दिलाने के लिए ऐसी व्यवस्था की गई है कि उन्हें बाजार भाव पर ही समर्थन मूल्य मिले।

कम हुआ है चने का उत्पादन

कुछ दिनों पहले तक बाजार भाव और चने के एमएसपी के बीच काफी अंतर था इसलिए केंद्र सरकार ने चना खरीद में नीति संशोधित की। इसमें तय किया गया कि अब बाजार भाव ऊपर-नीचे होने पर हर सप्ताह चना के एमएसपी का निर्धारण किया जाएगा। गौरतलब है कि इस वर्ष चना उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में कम हुआ है। जिसके चलते बाजार भाव ज्यादा चल रहा था। कम उत्पादन को देखते हुए ही केंद्र सरकार ने देसी चने के आयात शुल्क में भी कमी की है।

सीएम मोहन यादव ने मनकामेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा

सिटी चीफ भोपाल। भगवान चित्रगुप्त के प्रकटोत्सव मुख्यमंत्री मोहन यादव मंगलवार को भोपाल के श्री चित्रगुप्त धाम, मनकामेश्वर महादेव नेवरी मंदिर पहुंचे। यहां सीएम यादव ने भगवान चित्रगुप्त और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और जगत कल्याण के लिए मंगल कामना की। सीएम ने मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि आज भगवान चित्रगुप्त का जन्मदिवस है। मैं इस अवसर पर यहां उपस्थित हुआ। इस दौरान सीएम यादव ने कहा कि आने वाले समय में हम इस तीर्थ को और अच्छे से विकसित करेंगे। साथ ही कहा कि मैं प्रदेशवासियों को भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव की बधाई देता हूं। सीएम यादव ने कहा कि आज में उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में भाजपा की तरफ से चुनाव प्रचार के लिए जा रहा हूं। इसके बाद दिल्ली...वहां एक रोड शो है। मैं उम्मीद कर रहा हूं जिस प्रकार से मोदी मय माहौल बना हुआ है, उसे देखकर ऐसा लगता है कि 5वां चरण और दमदार होगा। इस दौरान सीएम यादव ने कहा कि अभी तक के चारों चरण का आंकलन यह है कि भाजपा प्रचंड बहुमत से जीतेगी।

इससे पहले सीएम यादव ने अपने हैंडल पर पूजा करते हुए कुछ तस्वीरें पोस्ट की। साथ ही, सीएम यादव ने लिखा कि श्री चित्रगुप्ताय नमः आज भगवान चित्रगुप्त के प्रकटोत्सव के शुभ अवसर पर भोपाल के श्री चित्रगुप्त धाम, मनकामेश्वर महादेव नेवरी मंदिर पहुंचकर भगवान चित्रगुप्त और भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और जगत कल्याण के लिए मंगल कामना की। प्रभु की कृपा की अविराम सभी पर वर्षा होती रहे, हर घर-आंगन में सुख, समृद्धि और खुशहाली के दीप देदीप्यमान हों, सबका मंगल एवं कल्याण हो, यही प्रार्थना करता हूं।

साइबर पुलिस की सलाह- किसी भी अनचाहे कॉल पर जानकारी देने से बचें

डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर मोबाइल हैक कर रहे ठगोरे

सिटी चीफ भोपाल। मध्य प्रदेश में लगातार साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर आपराधिक वारदात कर रहे हैं। इसको लेकर साइबर क्राइम पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है कि यह साइबर अपराध का नया तरीका है। इसको लेकर सावधान रहने की जरूरत है। ऑनलाइन ठगों ने अब लोगों के साथ ठगी का नया तरीका निकाला है। इसमें यह ठग कुरियर पैकेट में मिले सिम, इंक्स, आधार कार्ड का मिस यूज, मनी लॉन्ड्रिंग टेररिस्ट कन्वर्जन में आपके मोबाइल नंबर का इस्तेमाल हो रहा है जैसी कई ट्रिक से आपको हाउस अरेस्ट कर लेते हैं। पुलिस स्टेशन जैसे सेटअप से वीडियो कॉल कर डराया जाता हैं। वेबकैम, स्काइप मोबाइल से वीडियो पर आमने- सामने होकर कई घंटे मकसद पूरा होने तक डर में बांधे रखते हैं। नकली पुलिस अफसरों से भी अलग-अलग नंबरों पर बात कराई जाती है। जबकि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। नागरिक सतर्क रहें। जांच एजेंसियों के नाम से आ रहे इस प्रकार के फोन आने से डरकर जमानत के नाम पर अपना ओटीपी न दें या किसी भी खाते में रुपये जमा न कराएं। उनके कहने पर कोई भी ऐप डाउनलोड ना करें।

डिजिटल अरेस्ट में वॉट्सएप पर लगवाते हैं हाजिरी

डिजिटल अरेस्ट के झांसे में बदमाश इंटरनेट मीडिया के माध्यम वॉट्सएप नंबर पर रोजाना हाजिरी भी लगवाते हैं, इसमें व्यक्ति को रोजाना प्रजेंट सर लिखकर ग्रुप पर भेजना होता है। इस प्रकार का कोई फोन आए तो तुरंत स्थानीय पुलिस अथवा 1930 नंबर पर सूचना दें।

प्रदेश की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के आसार बढ़े

सिटी चीफ भोपाल। प्रदेश से लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां सिमट चुकी हैं। कुल 4 चरणों के मतदान पूरे होने के बाद अब इनके परिणाम पर नजर टिक गई है। इसी बीच अब प्रदेश में उप चुनाव के आसार मंडराने लगे हैं। पिछले दिनों तेज रहे दल बदल और लोकसभा चुनाव में कुछ विधायकों की मौजूदगी से यह हालात बने हैं।

लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सबसे ज्यादा सुरक्षित सीट के प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान मौजूदा विधानसभा के सदस्य भी हैं। लोकसभा चुनाव में उनकी जीत पक्की और केंद्रीय मंत्रिमंडल में बेहतर विभाग मिलना भी अवश्यंभावी माना जा रहा है। इस स्थिति के चलते इस बात की भी प्रबल संभावना है कि शिवराज को अपनी जीती हुई विधानसभा सीट छोड़ना पड़ेगी। इसके चलते बुदनी विधानसभा पर उप चुनाव कराए जाना जरूरी हो जाएंगे। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद प्रदेश की 4 से 8 विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना है। ज्ञातव्य है कि लोकसभा चुनाव के पहले और इसी गहमा गहमी के दौर में कांग्रेस के तीन विधायकों ने पार्टी छोड़कर भाजपा की सदस्यता ले ली है। जिसके चलते इन सीटों से इन विधायकों की सदस्यता शून्य हो गई है। कमलेश शाह के इस्तीफे के बाद अमरवाड़ा सीट, विधायक निर्मला सप्रे और रामनिवास रावत के बीजेपी में शामिल होने से भी इनकी विधानसभा सदस्यता खत्म हो गई है। नियमानुसार इन खाली हुई सीटों पर 6 माह की अवधि में उप चुनाव कराए जाना जरूरी है। इसके अलावा प्रदेश में 4 विधायक भी लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं।

लहारपुर में खेत में बने मकान से किया रेस्क्यू

डेढ़ साल से कैद महिला को पुलिस ने छुड़ाया

सिटी चीफ भोपाल। राजधानी भोपाल के बरखेड़ा पठानी के समीप लहारपुर में एक खेत में बने मकान में डेढ़ साल से कैद एक महिला का पुलिस ने रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया है। कमरे में कैद महिला भूख और प्यास से बेहाल थी। कई दिनों तक भोजन नहीं करने से महिला काफी कमजोर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर गोविंदपुरा पुलिस ने सामाजिक संस्था लक्ष्मी नारायण आनंदम क्लब और समाजसेवियों के साथ मिलकर महिला का रेस्क्यू किया। इसके बाद उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला के परिजनों की काउंसलिंग कराकर उन्हें महिला की देखभाल करने की समझाइश दी गई है। गोविंदपुरा थाने की सहायक उप निरीक्षक (कार्यवाहक) सोनिया पटेल ने बताया कि उन्हें जेजे बोर्ड के सदस्य डॉ. कृपाशंकर चौबे ने फोन के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि बरखेड़ा पठानी स्थित लहारपुर में एक खेत में बने मकान में महिला को कैद कर रखा गया है। पुलिस की टीम सामाजिक संस्था लक्ष्मीनारायण आनंदम क्लब के सदस्य मोहन सोनी और डॉ. जीशान, अयान खान, समाजसेवी मानकीदेवी और सुलक्षणा यादव के साथ मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम जब महिला के समीप पहुंची तो महिला काफी उग्र हो गई। काफी मशक्कत के बाद महिला को कमरे से बाहर निकाला गया।

कई दिनों से भूखी थी महिला

रेस्क्यू टीम ने जब महिला को कमरे से बाहर निकाला तो भूखी होने की वजह से वह काफी कमजोर थी। उसका वजन काफी कम था। उसने कई दिनों से नहाया भी नहीं था। रेस्क्यू टीम ने महिला के सिर के बाल काटने के बाद उसे स्नान कराया। इसके बाद उसका मेडिकल चेकअप करने के बाद उसे समाजसेवियों की मदद से हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया।

बीएमएचआरसी में ड्यूटी के दौरान डाक्टर को आया हार्ट अटैक, मौत

सिटी चीफ भोपाल। शहर के करोंद इलाके में स्थित भोपाल मेमोरियल ट्रस्ट अस्पताल एवं शोध संस्थान (बीएमएचआरसी) में एमडी कर रहे एक युवा डाक्टर की सोमवार रात ड्यूटी के दौरान अचानक सीने में उठे दर्द के बाद मौत हो गई। संभवतः उन्हें हार्ट अटैक हुआ था। वह मूलतः हरियाणा के गुरुग्राम के रहने वाले थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में ले लिया है।

निशातपुरा थाना पुलिस के मुताबिक मूलतः गुरुग्राम निवासी 25 वर्षीय डाक्टर दीपक शर्मा एमबीबीएस की पढ़ाई कर चुके थे। उसके बाद वह बीएमएचआरसी से एमडी की पढ़ाई कर रहे थे। सोमवार रात वह अस्पताल में ड्यूटी पर थे। रात करीब सवा एक बजे उन्हें अचानक सीने में दर्द उठा। इसके बाद स्टाफ के लोगों ने तत्काल उन्हें सीपीआर भी दिया, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और वह बेहोश हो गए। वरिष्ठ चिकित्सकों ने उनकी जांच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बैरागढ़ रेलवे फाटक के बाद ग्रामीण इलाकों में भी ओवरब्रिज बनाने की उठी मांग

भौंरी और बैरागढ़कलां फाटक बार-बार बंद होने से वाहन चालक परेशान

सिटी चीफ भोपाल। संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) के निकट नगर निगम सीमा में स्थित ग्रामीण इलाकों में आबादी की रफ्तार बढ़ने से फाटक की जगह ओवरब्रिज बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। बैरागढ़कलां और ग्राम भौंरी जाने वाले मार्ग पर नागरिकों को फाटक क्रास करके पहुंचना पड़ता है। लगातार विस्तार के कारण यहां पर वाहनों की संख्या बढ़ी है। बार-बार फाटक बंद होने से लोग परेशान हैं।

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन के पास स्थित रेलवे क्रासिंग क्रमांक 115 पर ओवर ब्रिज निर्माण का काम चल रहा है। काम पूरा होते ही फाटक बंद होने से जाम लगने की समस्या खत्म हो जाएगी, लेकिन अब यही समस्या बैरागढ़कलां स्थित रेलवे क्रासिंग क्रमांक 114 पर होने लगी है। अब लोग बैरागढ़कलां में भी अंडर ब्रिज बनाने की मांग करने लगे हैं। रहवासियों का कहना है कि गांव की आबादी तेजी से बढ़ रही है। बैरागढ़ शहर में अब नई बसाहट की जगह नहीं बची है। ऐसे में लोग बैरागढ़कलां का रुख कर रहे हैं। यहां नई बसाहट के साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है। ऐसे में यहां ब्रिज बनना जरूरी है। इस तरह ग्राम भौंरी में भी फाटक बंद होने से लोगों को परेशान होना पड़ रहा है।

दिन में 80 बार बंद होता है फाटक

भोपाल-इंदौर रूट पर चलने वाली यात्री गाड़ियों के अलावा कई मालगाड़ियां भी बैरागढ़ रूट से गुजरती हैं। दिन में करीब 80 बार फाटक बंद होता है। रामगंज मंडी से संत हिरदाराम नगर स्टेशन तक तीसरी लाइन भी यहीं से गुजरती है। ऐसे में ट्रैफिक बढ़ने की पूरी संभावना है। स्टापेज बढ़ेंगे तो फाटक बंद होने की समस्या भी ओर बढ़ेगी। जिस रफ्तार से आबादी बढ़ रही है, उससे यह साफ है कि आने वाले समय में बैरागढ़कलां और भौंरी गांव नहीं रह जाएंगे। यहां नई कालोनियां भी बन रही हैं।

ग्रामीण बोले- फिलहाल अंडरब्रिज बनाया जाए

ग्राम भौंरी निवासी पार्षद अशोक मारण का कहना है कि रेल प्रशासन को चिरायु अस्पताल के नीचे रेलवे क्रासिंग के पास फिलहाल अंडर ब्रिज बनाना चाहिए। भविष्य में बैरागढ़ और भौंरी में ओवरब्रिज का निर्माण करना जरूरी होगा। आरओबी योजना में भारी-भरकम राशि खर्च होती है, इसलिए फिलहाल अंडरब्रिज बनाया जाए। मारण का कहना है कि इस संबंध में रहवासियों के साथ रेल प्रशासन से मुलाकात की जाएगी।

संपादकीय

दिनेश कार्तिक के नाम दर्ज हुआ अनचाहा शर्मनाक रिकॉर्ड

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक के नाम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक अनचाहा शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। दिनेश कार्तिक आईपीएल के इतिहास में सर्वाधिक 18 बार शून्य पर आउट होने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। भले दिनेश कार्तिक के नाम यह अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हुआ हो, लेकिन जितना संघर्ष दिनेश कार्तिक ने निजी जीवन और क्रिकेट करियर में किया, वो शायद ही किसी अन्य क्रिकेटर ने किया होगा या करेगा। दिनेश कार्तिक ने बेहद विषम परिस्थितियों के बावजूद क्रिकेट में जो मुकाम हासिल किया, वो वाकई काबिले तारीफ है। दिनेश कार्तिक का जन्म तेलुगु बोलने वाले परिवार में 1 जून 1985 को चेन्नई में हुआ। उनके पिता भी क्रिकेटर रह चुके हैं और फर्स्ट क्लास खेले हैं। क्रिकेट की शुरुआती कोचिंग दिनेश को पिता ने ही दी। वर्ष 1999 में दिनेश ने तमिलनाडु की अंडर-14 टीम में खेलना शुरू किया और वर्ष 2000-2001 के सीजन में उन्हें अंडर-19 टीम में ले लिया गया। दिनेश न केवल अच्छे विकेटकीपर साबित हो रहे थे, बल्कि उनकी फिटनेस भी अव्वल दर्जे की थी। जल्द ही उन्हें टीम इंडिया में खेलने का मौका मिल गया। 5 सितंबर 2004 को प्रसिद्ध लॉर्ड्स मैदान में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने देश के लिए पहला वनडे मैच खेला। खास बात यह है कि टीम इंडिया में दिनेश कार्तिक की एंट्री महेंद्र सिंह धोनी से पहले हुई। धोनी ने अपना पहला इंटरनेशनल वनडे मैच दिसंबर 2004 में खेला था। हालांकि, दिनेश कार्तिक को टीम इंडिया में खेलने का बहुत अधिक मौका नहीं मिला। 20 साल के इंटरनेशनल करियर में वो कई बार टीम के अंदर और बाहर हुए। दो दशक में उन्हें 26 टेस्ट, 94 वनडे और 60 टी-20 मैच ही देश के लिए खेलने का मौका मिला। टेस्ट में उनके 1025 रन, जिसमें एक शतक और सात अर्द्धशतक हैं। वनडे में उन्होंने कोई शतक नहीं लगाया, केवल 9 अर्द्धशतक के साथ 1752 रन बनाए हैं, जबकि टी-20 में एक अर्द्धशतक के साथ 686 रन बनाए हैं। उन्हें टीम में अधिक मौके न मिलने का बड़ा कारण यह भी रहा कि इस दौर में धोनी न केवल टीम इंडिया के विकेटकीपर थे, बल्कि कप्तान भी थे। हालांकि, आईपीएल में दिनेश कार्तिक ने विराट कोहली से अधिक मैच खेले हैं। 255 आईपीएल मैच खेलकर वो तीसरे नंबर पर हैं, जबकि 263 मैच के साथ धोनी पहले और 256 मैच के साथ रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर हैं। विराट ने 250 आईपीएल मैच खेले हैं। आईपीएल में दिनेश कार्तिक कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान भी रहे हैं। जल्द 39 साल के होने जा रहे कार्तिक भारत के फिट खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्हें अच्छा मैच फिनिशर माना जाता है। उन्होंने टीम इंडिया को कई बड़े मैच जीताए हैं। भले वो अच्छे फिनिशर हैं, लेकिन उनका निजी जीवन बेहद उथल-पुथल वाला रहा है। उनकी पहली पत्नी ने उनसे तलाक लेकर भारत के ही एक अन्य क्रिकेटर मुरली विजय से विवाह कर लिया था तो वो टूट गए थे। हालांकि, वर्ष 2013 में उन्होंने फिर से विवाह किया और अब वो दो जुड़वा बेटों के पिता हैं। ऐसी उम्मीद है कि मौजूदा आईपीएल टूर्नामेंट के बाद दिनेश कार्तिक क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले लेंगे और क्रिकेट कमेंट्री करेंगे, क्योंकि यह काम वो मार्च 2021 में कर भी चुके हैं, जब भारत-इंग्लैंड की टी-20 और वनडे सीरीज हुई थी। दिनेश कार्तिक जैसा क्रिकेटर मिलना आसान नहीं है। उनके रिटायरमेंट के बाद इस जबरदस्त फिनिशर और फिट खिलाड़ी की कमी क्रिकेट प्रेमियों को जरूर खलती रहेगी।

अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच भारत-ईरान के साथ ऐतिहासिक अनुबंध, भू-राजनीति में रचा गया इतिहास

लोकसभा चुनाव के ऐन बीच में भारत द्वारा ईरान से चाबहार बंदरगाह के प्रबंधन के लिए किया गया दस वर्षीय अनुबंध को भू-राजनीतिक दृष्टि से एक जबर्दस्त रणनीतिक कदम बताया जा रहा है। भारत द्वारा किसी विदेशी या बाहरी बंदरगाह के प्रबंधन का यह पहला प्रयास है। ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित गहरे पानी का बंदरगाह चाबहार भारत के सबसे नजदीक खुले समुद्र में स्थित है, जहां भारी मालवाहक जहाज सरलतापूर्वक सुरक्षित रूप से पहुंच सकते हैं। साथ ही इस बंदरगाह में भारत, ईरान, अफगानिस्तान और यूरेशिया को आपस में जोड़ने की क्षमता है और यह चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का वैकल्पिक रास्ता मुहैया करवा सकता है।

जाहिर है, क्षेत्रीय दृष्टि से इस कदम के दूरगामी परिणाम होंगे। इससे न केवल चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव का मुकाबला किया जा सकता है, बल्कि पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह भी संतुलित होगा। चाबहार को इंटरनेशनल नार्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) से जोड़ने की भी योजना है, जिससे ईरान से होकर भारत के लिए रूस का रास्ता भी खुल जाएगा। यह बंदरगाह पाकिस्तान को दरकिनार कर अफगानिस्तान और केंद्रीय एशिया के लिए भी भारत का रास्ता साफ करेगा।

विदेश मंत्रालय के जानकार सूत्रों के अनुसार, इस दिशा में पिछले साल से ही काम चल रहा था। पिछले वर्ष अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी और ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के बीच हुई चर्चा में चाबहार मुख्य मुद्दा था। फिर नवंबर में दोनों नेताओं की फोन पर हुई बातचीत का केंद्र बिंदु भी चाबहार बंदरगाह ही था। वर्ष 2018 में तत्कालीन ईरानी राष्ट्रपति रूहानी की भारत यात्रा में बंदरगाह के विकास में भारत की बढ़ी हुई भूमिका का मुद्दा और परवान चढ़ा। फिर विदेश मंत्री एस. जयशंकर की इसी साल जनवरी में हुई तेहरान यात्रा में बात और आगे बढ़ी। ऐसा नहीं है कि यह समझौता पहली बार हुआ है। वस्तुतः यह समझौता 2016 में मोदी की ईरान यात्रा के दौरान ही हो चुका था। मूल समझौते में चाबहार बंदरगाह के बहिश्ती टर्मिनल के ऑपरेशन ही शामिल थे, जिसका हर साल नवीनीकरण होता था। मई 2016 में भारत ने शाहिद बहिश्ती टर्मिनल के विकास के लिए अफगानिस्तान और ईरान के साथ एक त्रिपक्षीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। अब यह दीर्घकालीन अनुबंध प्रारंभिक समझौते का स्थान लेगा।

पिछले दो दशकों में चीन और भारत क्रमशः दुनिया की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के रूप में ऊपर उठ चुके हैं। व्यापार और सुरक्षा के क्षेत्रों में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए इन दोनों एशियाई महाशक्तियों ने अंतरराष्ट्रीय गलियारों-विशेष रूप से हिंद महासागर पर ध्यान केंद्रित किया है। हिंद महासागर क्षेत्र में तीन महाद्वीपों के 28 देश आते हैं, जिनमें से कुछ तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाएं भी शामिल हैं। इस क्षेत्र में विश्व के अत्यधिक मूल्यवान प्राकृतिक संसाधन हैं, जैसे दुनिया के 16.8 प्रतिशत तेल भंडार और वैश्विक प्राकृतिक गैस के 27.9 प्रतिशत भंडार। चीन ने हिंद महासागर में अपने रणनीतिक हितों के संरक्षण के लिए 'मोतियों की लड़ी' (स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स) की समुद्री रणनीति अपनाई है। बांग्लादेश, म्यांमार, पाकिस्तान, मालदीव और तंजानिया जैसे तटीय दक्षिण एशियाई और अफ्रीकी देशों में बंदरगाहों की दीर्घकालीन पट्टे और उनके निर्माण में भारी निवेश उसकी इस रणनीति का एक हिस्सा है। हिंद महासागर में चीन की इस संलिप्तता के जवाब में भारत ने हिंद महासागर के देशों के साथ सहयोग, वार्ता, विकास में मदद और निवेश के लिए अपनी 'हीरों का हार' (नेकलेस ऑफ डायमंड्स) रणनीति बनाई है। वस्तुतः यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यापक %लुक ईस्ट% योजना का हिस्सा है, जो आसियान देशों के साथ रिश्ते मजबूत करने और चीन के समुद्री वर्चस्व से उपजी चिंताओं से निपटने के लिए बनाई गई है। हिंद महासागर में चीन और भारत के बीच प्रतिस्पर्धा का सर्वाधिक स्पष्ट पहलू है- पाकिस्तान का चीन संचालित ग्वादर बंदरगाह और ईरान का भारत द्वारा संचालित चाबहार बंदरगाह। मजेदार बात यह है कि पाकिस्तान केंद्रीय एशियाई देशों को हिंद महासागर क्षेत्र में पहुंच बनाने के लिए कराची बंदरगाह का इस्तेमाल करने के लिए काफी समय से ललचा रहा है। जबकि भारत इन्हीं देशों को यह संकेत दे रहा है कि कराची की तुलना में चाबहार अधिक आकर्षक विकल्प है। कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान जैसे प्रचुर संसाधन वाले, किंतु मार्गहीन केंद्रीय एशियाई देश हिंद महासागर क्षेत्र और भारतीय बाजार तक पहुंच बनाने के लिए चाबहार बंदरगाह का उपयोग करने के लिए काफी उत्सुक हैं। यह बंदरगाह केंद्रीय एशिया में रुचि रखने वाले भारतीय व्यापारियों और निवेशकों के लिए भी काफी उपयोगी साबित होगा। आने वाले दशकों में ग्वादर और चाबहार बंदरगाह नजर रखने लायक मुख्य क्षेत्र होंगे, क्योंकि हिंद महासागर में भारत-चीन प्रतिद्वंद्विता स्पर्धा के एक बड़े इलाके को चिह्नित करेगी। प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से क्षेत्र की महत्वपूर्ण भू-रणनीतिक प्रकृति के मद्देनजर हिंद महासागर में चीन, भारत और अन्य उभरते हुए देशों द्वारा रणनीतिक बढ़त हासिल करने के गंभीर वैश्विक परिणाम होंगे। हालांकि भारत को इस सिलसिले में अंतरराष्ट्रीय दबावों का सामना करना पड़ सकता है, जैसा कि उक्त अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के कुछ ही घंटों बाद अमेरिका द्वारा दी गई चेतावनी से जाहिर है। गौरतलब है कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंध जारी कर रखे हैं। बहरहाल, इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और ईरान के पोर्ट ऐंड मेरीटाइम आर्गेनाइजेशन (पीएमओ) के बीच हुआ अनुबंध भारत की रणनीतिक और भू-राजनीतिक सफलताओं में एक मील का पत्थर साबित होगा, इसमें शक की कोई गुंजाइश नहीं है।

क्या भारतीय संस्कृति में मां के बिना कोई दिन हो सकता है?

सम्भव ही नहीं। इसलिए भारत में हर दिन मातृ दिवस है।

ईश्वर ने जब मनुष्य को बनाया तो उसने ईश्वर से यह कहा कि आप हमेशा मेरे साथ रहिए। तो ईश्वर ने कहा कि मैं हर वक्त तुम्हारे पास नहीं रह सकता। इस कारण तुम्हारे लिए मां को बना दिया है। मदर्स डे विदेश में मनाया जाने वाला एक विशेष दिन है,जिस दिन एक माँ के सभी बालिग बच्चे उससे मिलने के लिए उसके पास किसी नियत स्थान पर आते हैं। विदेशों में यह दिन मनाने का मुख्य रूप से दो कारण है। विदेशों में शादी के बाद तलाक हो जाना बहुत आम बात है और तलाक के बाद महिला व पुरूष का पुनर्विवाह होना भी बहुत आम बात है। एक पुरूष से विवाह के बाद स्त्री के बच्चे पैदा होते हैं किन्तु उस स्त्री के तलाक देने के बाद दूसरा विवाह करने पर दूसरे पति से भी बच्चे पैदा होते हैं।एक माँ और अलग-अलग पिता के बच्चों में आपस में प्रेम नहीं होता और विभिन्न पतियों के बच्चे अपनी मां से कब,कहां और कैसे मिल सकें

इसके लिए यह व्यवस्था तय की गई कि वर्ष में एक निश्चित दिन मदर्स डे होगा और उस दिन विभिन्न पतियों से पैदा हुए सभी बच्चे अपनी मां से आकर अलग-अलग समय में मिल सकेंगे। विदेश में बच्चों के 18 वर्ष की उम्र होते ही उनको माता पिता अपने घर से बाहर अपना जीवन जीने के लिए छोड़ देते हैं , और इसी कारण जब वह बच्चे बड़े होते हैं तो वह अपने वृद्ध मां-बाप का ख्याल भी नहीं रखते और उनके साथ रहते भी नहीं हैं। और उन्हें वृद्धाश्रम में रहने के लिए छोड़ देते हैं। भारतीय संस्कृति में यह परंपरा नहीं थी। मगर भारत की संस्कृति को नष्ट करने के लिए यहां भी मदर्स डे की शुरुआत हो गई है। सोशल मीडिया पर ही इसका सबसे ज्यादा प्रचार प्रसार होता है और देखा देखी सब इसी दिन को मनाने और शुभकामनाएं देने में लग जाते हैं। हम तो आज भी इतने सक्षम नहीं हो पाए हैं कि अलग से रह सकें।आज भी अपनी माता जी की छत्रछाया में उनके पास

डॉ रजनीश श्रीवास्तव - ADM

चीन से बढ़ता आयात भी एक चुनौती है, कारोबारी भागीदारी में पिछड़ा अमेरिका; यह असंतुलन चिंताजनक

विगत 12 मई को आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में चीन 118.41 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। उसने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में चीन से आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डॉलर से 101.75 अरब डॉलर हो गया, जबकि चीन को भारत का निर्यात 16.66 अरब डॉलर रहा। प्रमुख रूप से लौह अयस्क, सूती धागा, कपड़े, हथकरघा, मसाले, फल और सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसे क्षेत्रों में भारत का निर्यात बढ़ा है। चीन से आयात में वृद्धि के कारण भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 2023-24 में 85.09 अरब डॉलर हो गया। यदि

जीटीआरआई रिपोर्ट का विश्लेषण करें, तो पाते हैं कि चीन से आयात में कमी नहीं आने के कई कारण हैं।भारत ने 2023-24 में चीन से 4.2 अरब डॉलर का टेलीकॉम व मोबाइल फोन आयात किया है, जो इस वर्ग में कुल आयात का 44 फीसदी है। इसी तरह, भारत ने कुल कंप्यूटर व प्रौद्योगिकी आयात का 77 प्रतिशत, नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़े उपकरणों के आयात का 65.5 प्रतिशत, इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी के कुल आयात का 75 प्रतिशत हिस्सा चीन से मंगाया है। साफ है कि भारत आवश्यक व रणनीतिक तौर पर बेहद जरूरी सेक्टर में भी चीन से आयातित उत्पादों पर काफी निर्भर है। हालांकि पिछले एक दशक से स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करके चीन से आयात घटाने के प्रयास हुए हैं। चीनी सामान के बहिष्कार व सरकार द्वारा विभिन्न चीनी एप पर प्रतिबंध, चीनी सामान के आयात पर नियंत्रण, कई चीनी सामान पर शुल्क वृद्धि, सरकारी विभागों में चीनी उत्पादों की जगह यथासंभव स्थानीय उत्पादों के उपयोग कोप्रोत्साहन दिया है।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया-ग्रेग टोलैंड-सिटीजन केन को अमर करने वाला

अमेरिकन सिनेमाटोग्राफर ग्रेग टोलैंड ने अपने समय के दिग्गज सिने-निर्देशकों के साथ काम किया और सिने-इतिहास में अपने लिए स्थान सुरक्षित किया। उनके खाते में 68 फिल्मों की सिनेमाटोग्राफी दर्ज है जिनमें कई फिल्म आज भी देखी-सराही जाती हैं। कालजयी फिल्म 'सिटीजन केन' के अध्ययन के बिना सिनेमा का प्रशिक्षण नहीं हो सकता है। ऑर्सन वेल्स के पास कहानी थी, विचार था, अभिनेता और अभिनय था... इन सबको परदे पर मूर्तिमान किया ग्रेग टोलैंड ने। अपनी सिनेमाटोग्राफी से इस फिल्म को अमर कर दिया। ऑर्सन वेल्स के यहां जो डीप फोकस, प्रकाश-छाया, शैडो का जादू, क्लोजअप्स हम देखते हैं वह इसी फोटोग्राफी का कमाल है। डीप फोकस ग्रेग टोलैंड की विशेषता थी। 29 मई 1904 को अमेरिका में जन्मे ग्रेग टोलैंड का जन्म का नाम ग्रेग वेस्ली टोलैंड था। वे जेनी तथा फ्रैंक की इकलौती संतान थे। पति से तलाक के बाद जेनी बेटे को लेकर कैलीफोर्निया चली गई। मां-बेटे ने कई फिल्म वालों के यहां काम किया। मां लोगों के यहां गृह सेविका थी। फिल्मों के सवाक होने पर कैमरे में शोर कम करने केलिए साउंडप्रूफ बूथ चाहिए थे। ग्रेग ने शोर कम करने का उपकरण विकसित किया। डीप फोकस और फिल्म बनाने में जनत्रंत लाने वाले, ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति टोलैंड की 26 सितम्बर 1948 को कैलीफोर्निया में शराब की कु-लत से असमय मृत्यु हुई। असल में वे कैमरा पकड़ कर सर्वाधिक प्रसन्न होते थे और जब कैमरा न पकड़े होते तो उदास-निराश हो जाते और शराब का सहारा लेते थे। डीप फोकस कैमरे की वह कला है जो किसी दृश्य में सारी चीजों को स्पष्ट दिखाता है। डीप फोकस में दृश्य का बैकग्राउंड, मिडिलग्राउंड, फॉरग्राउंड यानी सब कुछ साफ-साफ नजर आता है। ऑर्सन वेल्स खुले दिल से टोलैंड से फोटोग्राफी कला सीखने की बात स्वीकारते हैं। वेल्स के अनुसार उन्होंने

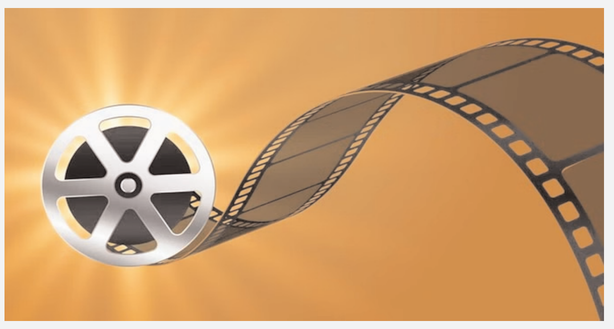

जिनके साथ काम किया वे ग्रेग टोलैंड न केवल महान कैमरामैन थे वरन सबसे तेज भी थे। 1931 में पहली बार उन्हें 'पामी डेज' फिल्म के लिए क्रेडिट मिला और आठ साल बाद 1939 में उन्हें पहला ऑस्कर मिल गया। ऐसा कमाल का उनका कैमरावर्क था। विलियम वायलार ने एमिली ब्रॉन्टी की क्लासिक रचना 'बदरिंग हाइट्स' पर इसी नाम से पौने दो घंटे की फ़िल्म बनाई थी। इस अमर प्रेम कहानी फिल्म की नायिका कैथी (मर्ले ओबेरॉन) की खूबसूरती को दर्शकों तक पहुंचाने में ग्रेग की महत्वपूर्ण भूमिका

इस फ़िल्म को वे खुद एक सॉफ्ट, डिफ़्यूज्ड पिक्चर, एक फंतासी कहते हैं। मोमबत्ती रोशनी का प्रभाव, रोमांटिक प्रकृति, क्लोजअप्स, बर्फ़, कोहरा सब मिल कर दर्शकों को किसी अन्य लोक में ले जाता है। लेकिन इस फिल्म में विकट, निष्ठुर दृश्य भी हैं, जिनके लिए फोटोग्राफर ने लो एंगल्स, डॉर्क शेडोज और कभीकदा डीप फोकस का प्रयोग किया है। इन्हीं सब कारणों से क्रेडिट के रूप में परदे पर अलग से नाम लिखे जाने वाले कदाचित वे पहले कैमरामैन हैं। कोई आश्चर्य नहीं वे अपने समय के सर्वाधिक मेहनताना पाने वाले कैमरामैन थे। 1940 की फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ'याद करें उनके द्वारा फिल्माई गई 1940 की फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ'। दो घंटे से कुछ मिनट ऊपर की इस फ़िल्म का आधार नोबेल (1939) पुरस्कृत साहित्यकार जॉन स्टीनबेक का इसी नाम का उपन्यास है। मगर इस फिल्म में स्क्रीनप्ले राइटर के रूप में वेक और नाम ननैली जॉनसन भी जुड़ा है। इस फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध सिने-निर्देशक जॉन फ़ोर्ड ने किया है। फ़िल्म 'ग्रेप्स ऑफ़ रॉथ के अभिनेता हैं, हेनरी फ़ोंडा, जेन डैरवेल तथा जॉन कैरराडाइन। फिल्म 'ग्रेप्स ऑफ रॉथ' ने दो ऑस्कर जीते। = फिल्म की एक विशेषता है, इसमें प्रत्येक शॉट का सावधानीपूर्वक फिल्मांकन होना, कोई शॉट रुटीन ढ़ंग से नहीं लिया गया है। कहानी अमेरिका की महामंदी के दौर में बेघर हुए लोगों से संबंधित है, खासतौर पर ओक्लाहामा के एक परिवार की गरीबी, हताशा भरी जिंदगी से जुड़ी हुई है। ये लोग अपने खेतों-जमीन से उखड़ कर कैलीफ़ोर्निया की ओर प्रवास करने जा रहे हैं। ग्रेग टोलैंड ने यहां पर अत्यंत कम रोशनी में काम किया है। कारण है कई दृश्य रात के समय के हैं, जिसके लिए कम प्रकाश में काम होना था। साथ ही ढ़ेर सारे शॉट्स उजाड़ में फिल्माए गए हैं। इसका इतिहास में दर्ज वह दृश्य स्मरण कीजिए, जहां टॉम और प्रचारक आमने-सामने हैं, टॉम का मात्र सिल्हुट नजर आता है। टॉम तथा प्रचारक (प्रीचर) को डीप फोकस के साथ प्रयोग करने वाले ग्रेग टोलैंड ने एकमात्र मोमबत्ती की रोशनी में इसे फिल्माया है। इस फिल्म में टोलैंड की फोटोग्राफी लेखन की शैली से पूरी तरह तालमेल बैठाते हुए न्याय करती है। रात के प्रभाव में भी कोई रोमांस अथवा रहस्य का प्रभाव नहीं है, मात्र यथार्थ नजर आत है। ग्रेग टोलैंड ने सिनेमाटोग्राफी ग्रेग टोलैंड ने सिनेमाटोग्राफी की कला और क्राफ्ट को एक ऊंचाई प्रदान की। कैमरावर्क में वे एक भरी-पूरी विरासत छोड़ गए हैं। दुबले-पतले ग्रेग जब कैमरे की बात करते तो उनका उदास चेहरा खूब खिल उठता। वे कठिन-से-कठिन परिस्थिति में घंटों कैमरा पकड़ कर काम कर सकते थे। उन्होंने बिना किसी सहायक के अपना कार्य प्रारंभ किया था। उनके भीतर कुशलता के साथ एक नैसर्गिक कलात्मक प्रतिभा थी।

उन दिनों अक्सर रंगीन फोटोग्राफी केवल म्युजिकल फिल्म के लिए होती थी और ग्रेग को रंगीन फोटोग्राफी नापसंद थी। उन्हें स्टार सिस्टम भी पसंद नहीं था। उनके अनुसार स्टार सिस्टम व्यक्ति के साथ पिक्चर बनाता है, कहानी के साथ नहीं, इस सिस्टम के लिए वह बाकी सब चीजों की बलि चढ़ा देता है। लेकिन 'इंटरमेज़ो' से फ़िल्मों अमेरिकी फ़िल्मों में प्रवेश करने वाली स्वीडिश अभिनेत्री इन्ग्रिड बर्गमैन की ताजगी और सौंदर्य को हल्के क्लोजअप्स में पकड़ कर परदे पर खुद उन्होंने ऐसा प्रसिद्ध किया कि जब वह गुजरी तब भी उसके प्रशंसकों की एक लम्बी लाइन थी। उस जमाने की प्रचलित मान्यता के अनुसार उसका शरीर काफ़ी बड़ा था। वे फिल्म की प्रि-प्लानिंग टीम के साथ हफ़्तों पहले काम शुरू कर देते थे। विक्टर ह्यूगो के विश्व प्रसिद्ध उपन्यास 'ले मिजराबल्स' पर वैसे तो कई फिल्म बनी है, 1935 में बनी इस फिल्म की फोटोग्राफी ग्रे टोलैंड ने की है और उसका पेरिस के नाला का खदेड़ने वाला दृश्य लाजवाब है। इसी तरह 'डेड एंड' (1937) में ग्रेग ने न्यूयॉर्क की एक बस्ती में विशाल इनडोर सेट में स्टेज प्ले का कमाल का फ़िल्मांकन किया है। ग्रेग टोलैंड ने 'द लॉन्ग वोयाज होम' (1940), 'द लिटिल फोक्सेस' (1841), 'बॉल ऑफ़ फ़ायर' (1841), 'द किड फ़्रॉम ब्रूकलिन' (1845) 'द बेस्ट इयर्स ऑफ़ अवर लाइव्स' (1946), 'द बिशप'स वाइफ' (1847) जैसी यादगार फिल्मों की सिनेमाटोग्राफी ग्रेग टोलैंड ने की और सिने-इतिहास में एक महत्वपूर्ण, अनुकरणीय सदा केलिए दर्ज हो गए। इस क्षेत्र में प्रवेश करने वाले नए लोग ग्रेग टोलैंड से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

थियेटर से पहले इंटरनेट पर रिलीज कर दी नई फिल्म, 'मिन्नल मुरली' हीरो को निर्देशक का तगड़ा फटका

दक्षिण भारतीय फिल्म 'वाजहक्कू' को लेकर लंबे समय से अभिनेता टोविनो थॉमस और निर्देशक सनल कुमार शशिधरन के बीच विवाद चल रहा है। इस विवाद के कारण अब निर्देशक ने इस फिल्म को यूट्यूब जैसे ही प्लेटफार्म 'वीमियो' पर रिलीज कर दिया है, जहां लोग इसे मुफ्त में देख सकते हैं।

फेसबुक पर साझा किया लिंक निर्देशक ने दो साल पहले ही अपने वीमियो अकाउंट पर फिल्म को अपलोड कर दिया था। अब इसे सभी के लिए उपलब्ध करा दिया गया है। फिल्म को दर्शक मुफ्त में देख सकते हैं। निर्देशक ने इसका लिंक अपने फेसबुक अकाउंट पर साझा करते हुए कहा, 'यह फिल्म दर्शकों के देखने के लिए है। जो लोग इसे देखना चाहते हैं देख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जो लोग फिल्म के रिलीज में हुई देरी के कारणों को समझते हैं वह इसकी सराहना कर सकते हैं।'

अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुई थी स्क्रीनिंग फिल्म के अभिनेता और निर्देशक के बीच चल रहे टकराव के चलते इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज होने से रोक दिया गया था। बता दें कि फिल्म को केरल के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, कोरियाई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और 54वें केरल राज्य फिल्म पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में प्रशंसा और स्क्रीनिंग मिलने के बाद भी विवाद के चलते यह सिनेमाघरों में नहीं आ सकी।

टोविनो ने निर्देशक को ठहराया जिम्मेदार निर्देशक ने फिल्मी की रिलीज में आई बाधा के लिए कहा कि अभिनेता टोविनो को चिंता है कि फिल्में के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाने से उनकी प्रतिष्ठा पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। निर्देशक के इस आरोप के जवाब में अभिनेता टोविनो ने एक इंस्टाग्राम लाइव में निर्देशक को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि फिल्म समारोहों में फिल्म लोगों का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच सकी, जिसकी वजह से व्यवसायिक नुकसान हुआ। फिल्म के सह-निर्माता टोविनो ने दावा किया कि फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज न हो पाने के लिए निर्देशक जिम्मेदार हैं।

'गॉडफादर' निर्देशक पर अब लगा जबरिया किस करने का आरोप, बनाई है अब तक की सबसे महंगी स्वतंत्र फिल्म

जैसा कि कुछ दिनों पहले से ही आसार बनने शुरू हो गए थे, कान फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में खूब बादल छाए रहे, और वह भी हुआ जिसकी आशंका जताई जा रही थी। हॉलीवुड ही नहीं दुनिया भर में किसी निर्देशक की अपने पैसे से बनाई सबसे महंगी फिल्म का खिताब पा चुकी फिल्म 'मेगालोपोलिस' के कान में प्रदर्शन से पहले ही इसके निर्देशक फ्रांसिस फोर्ड कोप्पोला पर आरोप लगे हैं कि फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने सेट पर मौजूद महिला कर्मचारियों का जबरन चुंबन लिया। फिल्म 'मेगालोपोलिस' पहली बार साल 1979 में चर्चा में आई। फिल्म पर काम शुरू हुआ साल 1983 में और तब से 40 साल से ज्यादा बीतने को हैं। फिल्म पर अब तक हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम खुद इसके निर्देशक लगा चुके हैं। बताते हैं कि ये रकम जुटाने के लिए फ्रांसिस फोर्ड कोप्पोला ने अपना सारे के सारे अंगूरों के बागान बेच दिए हैं। इन अंगूरों में बेहतरीन वाइन बनाने का काम बरसों से चलता रहा है। फ्रांसिस फोर्ड कोप्पोला की बरसों बाद बनकर तैयार हुई फिल्म का प्रदर्शन कान फिल्म फेस्टिवल के

कंपटीशन सेक्शन में होना है। मार्च महीने में पहली बार ये फिल्म लॉस एंजिलिस में फिल्म वितरकों को दिखाई गई थी। फिल्म की कान में स्क्रीनिंग से पहले हालांकि यूरोप व अन्य कुछ देशों में इसे वितरक मिल चुके हैं। लेकिन, मंगलवार रात निर्देशक फ्रांसिस फोर्ड कोप्पोला पर लगे बदसलूकी के आरोपों के बाद फिल्म पर नया संकट आ गया है। कालजयी फिल्मों में शुमार 'गॉडफादर' सीरीज और उसके बाद 'एपोकैलिप्स नाउ' बनाने वाले निर्देशक फ्रांसिस फोर्ड कोप्पोला की फिल्म 'मेगालोपोलिस' साल 1979 से निर्माण में रही है। तब उन्हें एक ऐसी कहानी का विचार आया जिसमें अमेरिका के शहर न्यूयॉर्क को लेकर भविष्य के समय को कुछ अनोखी कल्पनाएं शामिल रहीं। कोप्पोला ने इसकी चर्चा अपने कुछ करीबियों से की भी लेकिन बात बनी नहीं। चार साल बाद कोपोला ने अपनी जेब से कुछ पैसा लगाकर इस पर काम शुरू कर दिया लेकिन फिल्म कछुए की रफ्तार से चलती रही और इसकी शूटिंग अभी बीते साल मार्च में जाकर शुरू हो पाई। अब इस फिल्म की रिलीज की बारी है। जैसा कि अब सब जानते हैं कि इस फिल्म को इस साल के कान फिल्म फेस्टिवल में चुना जा चुका है। फ्रांसिस फोर्ड कोप्पोला ने ये फिल्म अपनी जमा पूंजी में से करीब 120 मिलियन डॉलर यानी करीब एक हजार करोड़ रुपये खर्च करके बनाई है। फिल्म को मार्च के महीने में लॉस एंजिलिस के यूनिवर्सल सिटीवॉक आईमैक्स थियेटर में पहली बार उन इच्छुक खरीदारों को दिखाया गया, जो इस फिल्म को लेकर लगातार कोप्पोला के संपर्क में रहे। खास बात ये रही कि इस स्क्रीनिंग में आने के लिए भी ये खरीदार तभी तैयार हुए जब इसका कान फिल्म फेस्टिवल के कंपटीशन सेक्शन में चयन हो गया। फिल्म 'मेगालोपोलिस' के हीरो एडम ड्राइवर हैं। उन्होंने फिल्म में एक ऐसा आदर्शवादी आर्किटेक्ट का किरदार निभाया है जो न्यूयॉर्क शहर को भविष्य के लिए जरूरी सुविधाओं और जरूरतों के साथ नए सिरे से बसाना चाहता है। फिल्म में उनके साथ नैटली एमैनुएल, ऑब्रे प्लाजा, शिया लाबिऑफ, डस्टिन हॉफमैन, जॉन वॉयट, जियानकार्लो एपोसिटो, लॉरेंस फिशबर्न और कैथरीन हंटर भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। 16 मई को ये फिल्म कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जानी है। फिल्म की पहली सार्वजनिक स्क्रीनिंग में अब गिनती के दिन बाकी होने के बावजूद इसे दुनिया भर के साथ साथ अमेरिका में भी वितरित करने के लिए अब तक किसी बड़ी फिल्म कंपनी ने रुचि नहीं दिखाई है।

इंडियन 2 की रिलीज डेट में फिर से आया बदलाव इस दिन सिनेमाघरों में दे सकती है दस्तक

साउथ सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है। फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि इससे पहले भी फिल्म की रिलीज डेट कई बार बदली जा चुकी है। इस साल कई बॉलीवुड फिल्मों की रिलीज डेट बदली गई हैं। फिल्म कल्की 2898 एडी से लेकर बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों की भी रिलीज डेट को कई बार बदला जा चुका है। वहीं अब कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 की भी रिलीज डेट बदल दी गई है। पहले इस फिल्म को 13 जून 2024 में रिलीज किया जाना था। लेकिन अब फिल्म मेकर्स ने किन्हीं कारणों की वजह से इसे अब जुलाई के महीने में रिलीज करने का फैसला लिया है।

पहले इस दिन रिलीज होनी थी फिल्म मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 13 जून को रिलीज ना होकर अब जुलाई में रिलीज होगी। कुछ कारणों की वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को आगे बढ़ाकर जुलाई में रिलीज करने का फैसला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इंडियन 2 का पोस्ट-प्रोडक्शन का काम अभी पूरा नहीं हुआ है, जिसकी वजह से अब इस फिल्म को जुलाई में रिलीज करने का फैसला लिया गया है। हो सकता है कि अब इंडियन 2 को 12 जुलाई 2024 के दिन सिनेमाघरों में रिलीज किया जाए। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट को लेकर अभीतक फिल्म मेकर्स की ओर से कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। अभिनेता कमल हासन और निर्देशक शंकर शनमुगम की फिल्म में काजल अग्रवाल के अलावा सिद्धार्थ, बॉबी सिम्हा, रकुल प्रीत सिंह, प्रिया भवानी शंकर, समुथिरकानी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण लाइका प्रोडक्शंस और रेड जाइंट मूवीज ने साथ मिलकर किया है। इस फिल्म के संगीत निर्देशक अनिरुद्ध रविचंदर हैं। इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता है, इसलिए वह लगातार इस फिल्म से जुड़ी हर जानकारी पर अपनी नजर रखते हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल का हुआ आगाज, स्टॉर्म क्लाउड्स के बीच चमकीं मेरिल स्ट्रीप

कान फिल्म फेस्टिवल 2024 का शानदार आगाज हो चुका है। दुनिया भर के सितारे 14 से लेकर 25 मई 2024 तक फ्रांस में एकत्रित होकर सिनेमा का जश्न मनाएंगे। आइए आज हम आपको कान फिल्म फेस्टिवल के 2024 के आगाज के बारे में बताते हैं। आखिर इस समारोह में कौन से सितारे हुए और किनकी अनुपस्थिति ने दर्शकों को निराश किया। कान फिल्म फेस्टिवल 2024 के आगाज के पहले फ्रांस के आसमान में काले बादल घिरे हुए थे। मौसम का मिजाज बिल्कुल भी ठीक नहीं लग रहा था। ऐसे में हॉलीवुड स्टार मेरिल स्ट्रीप का आगमन रेड कारपेट पर होता है और क्या शानदार आगमन था। मेरिल स्ट्रीप सफेद गाउन और अपने स्टाइलिश चश्मे में बला की हसीन दिख रही थी।

ऋतिक के बाद अब उनकी कजिन पश्मीना हैं जलवा बिखेरने को तैयार, अभिनेता ने पोस्ट साझा कर दी बधाई

बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन अभिनय के अलावा अक्सर अपनी निजी जिंदगी की वजह से सुर्खियां बटोरते रहते हैं। उनके लिए उनका परिवार बहुत मायने रखता है। ऋतिक रोशन अपनी चचेरी बहन पश्मीना रोशन से बहुत प्यार करते हैं। ऋतिक की तरह ही पश्मीना भी अब बॉलीवुड में अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। ऋतिक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए अपनी प्यारी बहन को बधाई देते नजर आए।

तुम पर गर्व है ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन आने वाले दिनों में इश्क विश्क रिबाउंड में नजर आने वाली हैं। ऋतिक ने बहन की फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए लिखा है, हमें तुम पर नाज है। तुमने जो किया है वह खुद से किया है। मैं तुम्हें बड़े पर्दे पर चमकता देखना चाहता हूं। मुझे यकीन है तुम बहुत आगे जाओगी और अपने मेहनत के दम पर अपना नाम कमाओगी। इश्क विश्क रिबाउंड धमाल मचाने जा रहा है। आप सब भी तारीख नोटिस कर लीजिए। ऋतिक का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

इश्क विश्क रिबाउंड में पश्मीना रोशन ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना रोशन बला की खूबसूरत हैं। ऋतिक रोशन द्वारा साझा किए गए पोस्टर में पश्मीना रोशन गोल्फ स्टिक के साथ बैठी नजर आ रही हैं। अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए पश्मीना रोशन लिखती हैं, यह शॉट एकमात्र शॉट ऐसा शॉट है जिसे वे मिस करती हैं और जिसे वे शूट नहीं करती हैं। पश्मीना रोशन की फिल्म को देखने के लिए दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

कब होगी रिलीज इश्क विश्क रिबाउंड पश्मीना रोशन अपनी फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके अलावा रोहित सराफ, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। पश्मीना रोशन की यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई फिल्म इश्क विश्क के सीक्वल की झलक देती है। इश्क विश्क रिबाउंड 21 जून, 2024 को बड़े परदे पर दस्तक देगी।

देश की सबसे बड़ी चेन, घट रही समोसा और पॉपकॉर्न की बिक्री, कुल इतने की ही बिकीं टिकटें

देश की दो सबसे बड़ी सिनेमाघर श्रृंखलाओं पीवीआर और आइनॉक्स का विलय होने के बाद यूं लग रहा था कि सिनेमा देखने वालों की न सिर्फ तादाद बढ़ेगी बल्कि इस नई सिनेश्रृंखला का कारोबार भी दिन दूनी, रात चौगुनी तरक्की करेगा। लेकिन, कंपनी अब सवा सौ करोड़ रुपये से ज्यादा के कर्जे में हैं। करीब डेढ़ अरब आबादी वाले देश में केवल 15 करोड़ टिकटें इस सिनेश्रृंखला की बीते पूरे वित्तीय वर्ष में बिकी हैं तकरीबन हर बड़े-छोटे शहर तक देश में अपनी पहुंच बना चुकी सिने श्रृंखला पीवीआर आइनॉक्स के बीते वित्तीय वर्ष के नतीजे सार्वजनिक हो चुके हैं। कंपनी लगातार घाटे में है। वित्तीय वर्ष की आखिरी तिमाही में कंपनी ने 130 करोड़ रुपये का समग्र घाटा उठाया। साल दर साल के हिसाब से ये घाटा कम तो हो रहा है लेकिन फिल्मों के सिनेमाघरों में न चलने से हालात न सुधरना बड़ी चिंता का विषय है सिने श्रृंखला पीवीआर आइनॉक्स की आमदनी बीते वित्तीय वर्ष में 1256 करोड़ रुपये रही और ये इसी अवधि में इसके पहले के वित्तीय वर्ष से करीब 10 फीसदी ज्यादा रही। लेकिन, पूरे वित्तीय वर्ष में कंपनी ने 32 करोड़ रुपये का घाटा उठाया। फिल्म की औसत

टिकट दर इस दौरान 233 रुपये बताई गई जबकि फिल्में देखने आने वालों ने इस दौरान समोसा, पॉपकॉर्न और दूसरे खाद्य पदार्थों की खरीद पर सिर्फ 129 रुपये प्रति व्यक्ति के औसत से खर्च किए।पूरे देश में इस समय करीब 9000 स्क्रीन्स बताए जाते हैं। इनमें से 1748 स्क्रीन्स सिने श्रृंखला पीवीआर आइनॉक्स के पास हैं और ये देश के 112 शहरों में 360 सिनेमाघरों में संचालित हो रहे हैं। सिने श्रृंखला पीवीआर आइनॉक्स देश की सबसे बड़ी सिनेमा चेन मानी जाती है और इन दिनों चर्चा ये भी चल रही है कि इस श्रृंखला में फिल्में दिखाने वाले निर्माताओं को एक न्यूनतम धनराशि की टिकटों को एडवांस बिक्री भी सुनिश्चित करनी होती है। ऐसा न होने पर फिल्म के शो कैंसिल हो सकते हैं। देश में सिनेमा को लेकर चाहे जितनी चर्चा होती हो, लेकिन सच यही है कि 140 करोड़ की आबादी वाले देश में सिनेमाघरों में जाकर फिल्में देखने वालों की तादाद कुल आबादी की तीन प्रतिशत तक भी मुश्किल से पहुंच पा रही है। अकेले सिने श्रृंखला पीवीआर आइनॉक्स में बीते वित्तीय वर्ष में आने वालों लोगों की संख्या 15.14 करोड़ रही। ये इस सिने श्रृंखला में आने वालों की कुल तादाद है, इसमें से तमाम लोगों का साल में तीन चार बार सिनेमाघरों में आगमन भी रहा हो सकता है। कंपनी पर बीते वित्तीय वर्ष पर नेट कर्ज 136.40 करोड़ रुपये बताया गया।

फ्रीडम ऑफ द सिटी ऑफ लंदन पुरस्कार से सम्मानित हुईं शबाना आजमी, बोलीं- मैं इसके लिए आभारी हूं

मशहूर अभिनेत्री शबाना आजमी को भारतीय सिनेमा में उनके शानदार योगदान और महिला अधिकारों के प्रचारक के रूप में फ्रीडम आफ द सिटी ऑफ लंदन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। अभिनेत्री वार्षिक यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल (यूकेएएफएफ) में सिनेमा में अपने 50 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए लंदन में थीं। इस दौरान एक समारोह में उन्होंने सम्मान प्राप्त किया। यह पुरस्कार जीवन में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

मैं इस मान्यता के लिए आभारी हूं शबाना आजमी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए पांच राष्ट्रीय पुरस्कार और छह फिल्मफेयर पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। उन्होंने लंदन में इस सम्मान को ग्रहण करने के बाद कहा, मैं फ्रीडम ऑफ द सिटी ऑफ लंदन पुरस्कार पाकर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह सिनेमा और सक्रियता की शक्ति का प्रमाण है कि हम सीमाओं को पार करने और समाज पर सार्थक प्रभाव डालने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, मैं इस मान्यता के लिए आभारी हूं और हमेशा सकारात्मक बदलाव की वकालत करने के लिए अपनी आवाज और मंच का इस्तेमाल करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

ब्रांड्स की नुमाइश को पहुंचेगी अदिति व कियारा, शोभिता धूलिपाला का आइसक्रीम कनेक्शन

जैसे देश में गली गली दादा साहब फाल्के के नाम पर पुरस्कार बिकने शुरू हो चुके हैं, वैसा ही हाल अब कान फिल्म फेस्टिवल का भी होने लगा है। बीते साल कान के नाम पर एक एलजीबीटीक्यू अवार्ड पाने वाली फिल्म की तफ्तीश करके 'अमर उजाला' ने ही बताया था कि कैसे कान फिल्म फेस्टिवल अवार्ड्स के नाम पर फर्जीवाड़ा शुरू हो चुका है। इस साल भी सोशल मीडिया पर तमाम कलाकार और तकनीशियन अपनी अपनी फिल्म के कान फिल्म फेस्टिवल जाने का डंका पीट रहे हैं, लेकिन ये कुछ ऐसा ही है कि गोवा में सरकारी फिल्म फेस्टिवल चल रहा हो और कोई जाकर अपनी फिल्म उसी दौरान गोवा के किसी भी सिनेमाघर में दिखाने लग जाए। किसी भी विदेशी पहचान को लेकर देसी लोगों की बेकरारी आज से नहीं बरसों से है। विदेशी सम्मानों के नाम पर अपने फैंस को बेवकूफ बनाने का हालिया उदाहरण मेट गाला का ही देख सकते हैं। जिनको इस कार्यक्रम के बारे में पता है, वे जानते हैं कि एक बड़ी विदेशी पत्रिका ये चैरिटी कार्यक्रम करती है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दुनियाभर के लोगों को न्यौता भेजा जाता है और साथ ही उनसे धर्मादा में चंदा देने की अपील की जाती है। जानकार बताते हैं कि इस साल जो सितारे इस मेट गाला फंक्शन में शामिल हुए, उन्होंने 68 लाख रुपये की टिकट खरीदी है। अपने पैसे से अपनी ही ब्रांडिंग करने वाले ये सितारे इन खबरों का मोटा प्रचार कराकर बाद में यही पैसा देसी ब्रांड्स के एंडोर्समेंट से वसूलते हैं। कान फिल्म फेस्टिवल का मामला थोड़ा और अलग है। हर साल इसके रेड कार्पेट पर तमाम देसी विदेशी सितारे तरह तरह के परिधान पहनकर कैटवॉक करते नजर आते हैं। तो जान लीजिए कि ये सारी मटरगश्ती भारतीय सिनेमा के प्रचार प्रसार के लिए ही हर बार नहीं होती। इस साल मंगलवार से शुरू हुए कान फिल्म फेस्टिवल में भी हिंदी सिनेमा के तमाम सितारे दिखने वाले हैं। कान फिल्म फेस्टिवल एक वैश्विक आयोजन है और इसके आयोजन के लिए ये तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियों से आर्थिक मदद लेता है। ये आर्थिक मदद करने वाली कंपनियां इसके एवज में रेड कारपेट पर उन सितारों की परेड कराती हैं, जो उनके उत्पादों का अलग अलग देशों में प्रचार करते हैं। सौंदर्य उत्पादों का प्रचार करने में पूर्व विश्व सुंदरी ऐश्वर्या राय बच्चन का नाम सबसे आगे रहा है और वह साल 2002 से ही इस कार्यक्रम का हिस्सा रही हैं।

इस साल आपको अब तक पता चल गया होगा कि चर्चित अभिनेत्रियां कियारा आडवाणी, अदिति राव हैदरी और शोभिता धूलिपाला कान फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर चलने वाली हैं। आपको ये जानकर हैरानी होगी कि इन तीनों अभिनेत्रियों की इस रेड कारपेट कैट वॉक का उनकी किसी भी फिल्म से कोई लेना देना नहीं है। हाल के दिनों में अपनी फिल्म 'मंकी मैन' को लेकर सुर्खियों में रहीं अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला वहां एक अंतर्राष्ट्रीय आइसक्रीम ब्रांड की प्रतिनिधि के तौर पर मौजूद रहेंगी।

जिन कियारा आडवाणी के नाम देश का प्रतिनिधित्व करने का सेहरा उनकी पीआर टीम बीते दो तीन दिनों से बांध रही है, वे कियारा आडवाणी कान फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनने नहीं जा रहीं बल्कि इन्हीं दिनों वहां होने जा रहे रेड सी फिल्म फाउंडेशन के चैरिटी डिनर में चंदा देकर शामिल होने जा रही हैं। बीते साल वेब सीरीज 'जुबली' और इस साल वेब सीरीज 'हीरामंडी' में सौ में सौ नंबर पाने वाली अदिति राव हैदरी का कान प्रस्थान उस लॉरियल ब्रांड के लिए हो रहा है, जिसके उत्पादों के विज्ञापनों में उनका चेहरा नजर आता है।

बस बाजी कर रहे 2 युवक कमरे में कैद, वीडियो जमकर वायरल

कोतवाली पुलिस युवको की तलाश में जुटीं

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के कोतवाली थाना क्षेत्र नई बस्ती शाहिद द्वार के पास दो दिन पहले देर रात्रि एक मकान में मोटर साइकल सवार दो युवकों द्वारा बस बाजी कर फरार हो गए थे जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। जिस वीडियो के आधार पर कोतवाली पुलिस बम बाजी करने वाले युवकों की तलाश में जुट गई है। कटनी एसपी अभीत रंजन से जब इस मामले में बात की गई तो उनका कहना था पुलिस को इस वीडियो के बारे में सोशल मीडिया और पत्रकारों के माध्यम से मिली है, हाला की इस मामले की किसी भी तरह की शिकायत कोतवाली थाने में नही की गई है इसके बावजूद इस वीडियो की जांच की जा रही है और वीडियो में बम बाजी की घटना की अंजाम देने वालो की कोतवाली पुलिस तलाश में जुट गई है और बहुत जल्द भी आरोपी पुलिस के गिरफ्त में होंगे।

कटनी में संदिग्ध परिस्थितियों में वनरक्षक की मौत

पुलिस ने शुरू कर दी है मामले की जांच पड़ताल

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां संदिग्ध परिस्थितियों में वनरक्षक की मौत हो गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। फिलहाल, पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मामला ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र का है। जहां दुड़हा मोड में वनरक्षक राजेश लोधी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। थाना प्रभारी मोहम्मद शाहिद खान ने बताया कि ढीमरखेड़ा परीक्षेत्र अंतर्गत आने वाले जामुन चूहा बीट में पदस्थ वनरक्षक राजेश लोधी दोपहर में जामुन चूहा गांव से वापस लौटकर दुकान के बाहर बनी पट्टी पर बैठा था। अचानक बैठे-बैठे उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी परिजनों को दे दी गई है, वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया दिया है। हालांकि, पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो पाएगी। इस घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल, पुलिस मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

जिलाधिकारी की अपील का हो रहा असर

जनपद के कृषक भारी मात्रा में कर रहे नेपियर घास की बुवाई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा नेपियर घास के लिए कृषकों से की गयी अपील का असर जनपद में दिखाई दे रहा है। जनपद की सभी तहसीलों में कृषकों द्वारा नेपियर घास का भारी मात्रा में उत्पादन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत सिम्भालकी गुर्जर में कृषक द्वारा 10 बीघा क्षेत्र में नेपियर घास की बुआई की गई है। डॉ0 दिनेश चंद्र ने सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि खेती के लिए उपयुक्त सार्वजनिक भूमि पर नेपियर घास का रोपण कराएं। उन्होंने कहा कि नेपियर घास के रोपण का यह उपयुक्त समय है। उन्होंने जनपद के सभी कृषकों से नेपियर घास के अधिक से अधिक उत्पादन करने की अपील करते हुए अन्य कृषकों को भी प्रेरित करने की बात कही। डॉ0 दिनेश चंद्र ने निर्देशित किया कि चारागाह की भूमि पर अधिक से अधिक नेपियर घास की बुआई की जाए। उन्होंने कहा कि नेपियर घास का उत्पादन वर्ष भर किया जा सकता है। इसके फायदे बताते हुए उन्होने कहा कि नेपियर घास का उत्पादन हरे चारे की निरंतर उपलब्धता के लिए आत्मनिर्भरता, विशेष रूप से पूरे वर्ष निराश्रित एवं आश्रित पशुओं के पौष्टिक आहार के रूप में बेहतर विकल्प है। ये एक पौष्टिक चारा है जोकि न केवल खाद्यान्न आवश्यकता को पूर्ण करेगा बल्कि गौवशों को स्वस्थ रखने में मदद करेगा।

जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के प्रयासों से कृषक बंधुओ द्वारा जनपद में काफी मात्रा में उत्पादन किया गया है। जिससे इसके रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है स विगत वर्ष से जनपद की सभी गौशालाओं में भी नेपियर घास की बुवाई की गई थी। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र द्वारा चलाए गए अभियान से आसपास के कृषकों में नवचेतना का प्रवाह हुआ है। नेपियर घास के उत्पादन से गौवंश के संरक्षण एवं भरण भूषण के लिए बेहतर व्यवस्थाएं स्थापित हुई हैं।

जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं ने किया उनका जोरदार स्वागत

देवबंद पालिकाध्यक्ष का एक वर्ष पूर्ण

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, देवबंद पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग का एक वर्ष पूर्ण हो जाने उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं की ओर से उनका जोरदार स्वागत किया गया। बता दे कि नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष विपिन गर्ग का नगर पालिकाध्यक्ष बनने का एक वर्ष पूरा हो गया है। इस उपलक्ष में उत्तर प्रदेश जन कल्याण मंच के कार्यकर्ताओं की ओर से उनका फूल मनाएं पहनाकर, पटका एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर उप्र- जन कल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ओमपाल सिंह ने कहा कि पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग का एक साल का सफर अच्छा व सफल रहा। उन्होंने सभी 25 वार्डों में सड़कें, लाइट, ।सफाई एवं अन्य कार्य बिना भेदभाव के कराए हैं और कुछ मौहल्लो जैसे कश्यप कालोनी, रेलवे रोड की सडक बीस साल बाद बनाए जाने का कार्य किया है। पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग ने पूरे साल जनता के संपर्क में रहकर उनकी समस्याओं को सुना है हम सब उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा करते हैं कि भविष्य में भी वह पूरे नगर की जनता को अपना मानकर बिना भेदभाव के कार्य करांएगे और बरसात से पहले सभी नालों की सफाई कराकर नगर को जल भराव से मुक्ति दिलाएंगे, जनता की समस्याओं को सुनकर समाधान करते रहेंगे। इस अवसर पर चौ. ओमपाल सिंह, दिनेश ऋषि सप्त इलेक्ट्रॉनिक, शिवकुमार कश्यप, अग्रेश पवार, बॉबी भटनागर, डॉ सुरेंद्र धीमान, विजय कश्यप, अजय जाटव, कृष्ण दत शर्मा, सुशील जाटव आदि मौजूद रहे।

योग गतिविधियों ने जोर पकड़ना शुरू

योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 20 मई को होगी आयोजित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जैसे-जैसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस नजदीक आ रहा है योग गतिविधियों ने जोर पकड़ना शुरू कर दिया है। प्राथमिक विद्यालय से विश्वविद्यालय स्तर तक योगासन स्पोर्ट्स को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं जनपदीय स्तर पर प्रतियोगिताओं के आयोजन की कड़ी में सहारनपुर जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा 20 मई को जनपद स्तर पर योगासन चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। चयनित टीम को प्रदेश में योगासन स्पोर्ट्स के लिए भेजा जाएगा। बेरी बाग स्थित नेशन बिल्डर्स एकेडमी मे सुबह 8 बजे से देर शाम तक चलने वाली यह प्रतियोगिता 9 वर्ष से 55 वर्ष आयु तक के महिला व पुरुष के बीच विभिन्न आयु वर्गों (9 से 14 वर्ष आयुवर्ग महिला/पुरुष,14 से 18 वर्ष आयुवर्ग महिला/पुरुष,18 से 28वर्ष आयुवर्ग महिला/पुरुष,28 से 55 वर्ष आयुवर्ग महिला/पुरुष) में ट्रेडिशनल, आर्टिस्टिक व रिदमिक इवेंट के रूप में आयोजित की जाएगी। यह जानकारी देते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष एन के शर्मा और महासचिव नवनीश कांत शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां दो सौ रुपया प्रविष्टि शुल्क के साथ आयोजन स्थल पर 19 मई 12 बजे मध्यान्ह तक स्वीकार की जाएंगी। ज्ञातव्य है कि पिछले दिनों योग के प्रधानमंत्री ब्लॉगिंग कांटेस्ट में यहां के प्रणय शर्मा द्वारा एक लाख रुपए के राष्ट्रीय और उसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय खिताब और प्रत्यक्षा सारस्वत द्वारा भारत से बाहर मारिशस का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम करने के बाद से सहारनपुर आज योग के लिए विश्व स्तर पर अपनी खास पहचान रखता है।

मेले के सेवादारों को भेंट किए गए सम्मान पत्र

प्रबंधक पंडित विकास उपाध्याय, अध्यक्ष गौरव उपाध्याय रहे मौजूद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर ।
देवबंद, देवबंद के विख्यात सिद्धपीठ माँ श्री त्रिपुर बाला सुन्दरी मंदिर सेवा ट्रस्ट रजि. की ओर से मेले के सेवादारों को समान पत्र भेंट किया गया। इस दौरान प्रबंधक पंडित विकास उपाध्याय, अध्यक्ष गौरव उपाध्याय मौजूद रहे। पंडित विकास उपाध्याय ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मां का भव्य मेला संपन्न हो गया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष लाखों श्रद्धालुओं ने मां भगवती के सिद्धपीठ पहुंचकर प्रसाद चढाया और मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान शासन-प्रशासन का भी पूर्ण सहयोग रहा

मंदसौर-सुवासरा मार्ग में चुनावी सामग्री जमा कर लोट रहे थे मतदानकर्मी की बस का बसई के पास हो गया भीषण सड़क हादसा

होमगार्ड जवान की मौत, 09 कर्मचारी घायल

मंदसौर - जिला मुख्यालय पर चुनाव सामग्री जमा कर वापस लौट रहे मतदानकर्मियों की बस एक खड़े ट्रक से जा टकराई इसमें करीब 9 लोग घायल हो गए। वहीं होम गार्ड जवान की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ। प्रदेश के डिप्टी सीएम और मल्हारगढ़ विधानसभा से विधायक जगदीश देवड़ा ने दुर्घटना को लेकर शोक संवेदना व्यक्त की हैं।

जिले में कल चुनाव होने के बाद देर रात तक मतदान सामग्री जमा करवाने के लिए पोलिंग पार्टी मंदसौर पहुंचती रही। ऐसे में मतदान सामग्री जमा करवाने के बाद आज मंगलवार सुबह निर्वाचन में लगे करीब 10 कर्मचारी जब निजी यात्री बस से घर लौट रहे थे, इसी दौरान ये हादसा हो गया। बस सुवासरा-मंदसौर रोड बसई के पास सड़क पर खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई। टीआई कमलेश प्रजापति ने बताया कि हादसे में होमगार्ड जवान की मौत हुई है। वहीं घायलों को पहले सीतामऊ प्राथमिक केंद्र भेजा गया जहां से तीन घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बता दें जवान मनोहर सिंह राजस्थान के राजसमंद जिले खिमखेड़ा का निवासी था। वहीं कलेक्टर दिलीप कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने जिला अस्पताल मंदसौर पहुंचकर बस दुर्घटना में घायल चुनावी कर्मचारियों के हाल-चाल पूछे तथा सिविल सर्जन एवं सीएमएचओ को निर्देश दिए की सभी कर्मचारियों का बेहतर तरीके से इलाज किया जाए। ये हुए घायल- राजेश पिता मोहनलाल, रामगोपाल पिता कन्हैया लाल राठौर, अनिल पिता राधेश्याम तिवारी, श्रवण पिता नरेंद्र कुमार जैन, कैलाश पिता गोवर्धन लाल गुर्जर, राजेंद्र पिता देवीप्रसाद श्रीवास्तव, दीप्ति पति राजेंद्र श्रीवास्तव, गोपाल पिता मंगस निवासी बावड़ी खेड़ा चंदवासा, तेजमल पिता चिरंजीवी लाल मेघवाल निवासी भवानीमंडी।

मुम्बई के घाटकोपर में होर्डिंग हादसे के बाद सशक्त पत्रकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने बुरहानपुर में लगे होर्डिंगो को मुख्यमंत्री सहित कलेक्टर एवं निगम आयुक्त से हटाने की मांग की

एक होर्डिंग की अनुमति की आड़ में 10 अवैध होर्डिंग लगा रहें होर्डिंग मालिक, शासन को पहुंच रही लाखों के राजस्व को क्षति।

शहर की सुंदरता को खत्म करने वाले होर्डिंगो के मकड़ जाल से आमजन को दिलाई जाय मुक्ति, क्युकी मुंबई जैसे हादसे को न्योता दे रहे शहर में लगे होर्डिंग्स।

लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर घरों, और व्यवसाय प्रतिष्ठानों पर भी लगवा रखें हैं बड़े-बड़े होर्डिंग, जिनके गिरने का डर बरकरार।

बुरहानपुर। मुम्बई के घाटकोपर में होर्डिंग हादसे में 14 लोगों की मृत्यु और 70 से अधिक लोगों के घायल होने के बाद सशक्त पत्रकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं समाज सेवी उमेश जंगाले ने बुरहानपुर में विभिन्न क्षेत्रों में लगे होर्डिंगो को मुख्यमंत्री मोहन यादव को मेल और फैक्स के माध्यम से और कलेक्टर एवं निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव से पत्र के माध्यम से मांग की हैं कि मुंबई जैसी घटना बुरहानपुर में नहीं घटे जिस हेतु शहर में लगे समस्त होर्डिंगो को मानसून (बरसात) लगने के पूर्व तत्काल हटाए जाय, क्युकी जून महीने से तेज हवा, आंधी, तूफान आने से होर्डिंग गिरने का खतरा बना रहता हैं। उन्होंने बताया कि 13 मई को मुंबई में आई तेज हवा, आंधी, तूफान से मुंबई के घाटकोपर में पेट्रोल पंप पर लगे होर्डिंग के गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक लोग घायल हो गए। इस गंभीर घटना को ध्यान में रखते हुए शहर में लगे समस्त हार्डिंग हटाए जाएं ताकि कोई बड़ी जनहानी या मालहानी बुरहानपुर में नहीं हो। श्री जंगाले ने कहा कि होर्डिंग मालिकों द्वारा नगर निगम से एक होर्डिंग की अनुमति लेकर उसकी आड़ में 10 अवैध होर्डिंग लगा रखें हैं, जिससे शासन को लाखों के राजस्व को क्षति पहुंच रही है। इन अवैध हॉर्डिंगों से कभी भी बडी जनहानी हो सकती हैं, क्युकी कई वर्षो से लगे होर्डिंगों को जंग लग गया है, जिससे उनमें पुरी तरह सड़न लगी हैं। रहवासी इलाकों में भी यह होर्डिंग बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। इन होर्डिंगों से प्राचीन ऐतिहासिक शहर बुरहानपुर की सुंदरता खत्म हो रही हैं। कई बार इन होर्डिंग को देखने के चक्कर में राह चलते और वाहन चालक आपसी में टकरा रहें हैं, जिससे बड़ी दुर्घटना होने का अंदेशा बना है। इन होर्डिंगो से किसी की जान भी जा सकती हैं। उमेश ने बताया की लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बगैर अपने घरों, और व्यवसाय प्रतिष्ठानों पर भी बड़े-बड़े होर्डिंग लगवा रखें हैं, जिनके गिरने का डर सदैव बना रहता हैं। उन्होंने कहा कि शहर के रोड किनारे और व्यवसाय प्रतिष्ठानों, मकानों पर लगे समस्त होर्डिंगो को आमजन मानस की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हटाया जाए। होर्डिंगों के मकड़ जाल से आमजन परेशान हैं, उन्हें इस समस्या से मुक्ति दिलाई जाए। मुंबई हादसे के बाद संबधितो को सीख लेते हुए तत्काल शहर के समस्त होर्डिंगों को हटाना चाहिए।

लाडली बहन लाडली बहन योजना के लिए फिर शुरू होगी आवेदन की प्रक्रिया

रीवा- प्रदेश की महत्वाकांक्षी योजना लाडली बहना का लाभ प्रदान करने के लिए फिर एक बार से आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस योजना के तहत हर महीने 1250 रुपए सरकार के द्वारा पात्र हितग्राही महिलाओं के खाते में भेजी जाती है। इस योजना के अंतर्गत 21 वर्ष से 60 वर्ष की महिला हर महीने 1250 रुपए प्राप्त करती है। बता दे कि इस योजना की शुरुआत मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा मई 2023 में की गई थी। जिन महिलाओं ने अभी तक इस योजना के लिए आवेदन नहीं किया उनके लिए आवेदन प्रक्रिया एक बार फिर से शुरू होने जा रही है। लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद आवेदन की तिथि घोषित की जाएगी ।

गौर मतलब है कि महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्नति के लिए मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने योजना लागू की थी। इस योजना के अंतर्गत महिलाओं को प्रारंभ मेंरूपये 1000 प्रतिमाह दिए गए थे। इसके बाद रक्षाबंधन में इस राशि को बढ़ाकर 1250 रुपए प्रतिमाह की गई थी। इस योजना का लाभ मध्यप्रदेश की लाखों करोड़ों महिलाओं को मिल रहा है

चुनाव के बाद आवेदन शुरू होने की उम्मीद सरकार ने इस योजना की राशि 1250 से बड़ा कर रुपए 3000 प्रतिमाह करने का ऐलान किया है। जिले में ऐसी हजारों महिलाएं जिन्होंने अभी तक इस योजना के लिए आवेदन नहीं किया है। जिले की जिन पात्र महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलना है वह उसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार करें इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्दी ही होने वाली है ।लोकसभा चुनाव के बाद इस योजना के आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है ।बता दे लाडली बहन योजना हाल के दिनों में शुरू हुई सबसे ज्यादा चर्चित योजना रही। इसकी सफलता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश में साल 2023 के नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में बीजेपी को अप्रत्याशित रूप से जीत मिली। जबकि 2003 से लगाकर सत्ता में रहने वाली पार्टी को लेकर यह भविष्यवाणी की जा रही थी कि इस बार प्रदेश में सत्ता परिवर्तन की लहरें है, लेकिन इस लहर पर लाडली बहनाओं ने पानी फेर दिया। हालाकि भाजपा ने सत्ता में आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की जगह डॉक्टर मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया गया तब विपक्ष ने लाडली बहन योजना बंद करने का आरोप लगाया था। लेकिन यह योजना चलती रही इस मई माह की 5 तारीख को भी लाभार्थी महिलाओं के खाते में राशि डाली गई है।

प्रतापगढ़ की लड़की की करतूत... IAS बनने के लिए शादी की सालगिरह पर पति से मांगा तलाक

बोली-तलाक कोटे से पास करूंगी UPSC

विवाह बंधन में बंधने के बाद नया जोड़ा शादी की सालगिरह बड़े ही धूमधाम से मनाता है. लेकिन जयपुर की एक विवाहिता ने शादी की पहली सालगिरह पर पति को ऐसा तोहफा दिया कि पति के होश उड़ गए. खुद जयपुर से चलकर प्रतापगढ़ सरप्राइज देने गए पति से पत्नी ने बदले में तलाक मांग लिया. हालांकि, इससे पहले ही शादी के दूसरे दिन ही पत्नी ने तलाक की मांग रख दी थी. लेकिन तब किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और ऐसा सुन पति ने इसे हंसी-मजाक ही समझा. मगर बाद में पत्नी ने तलाक के पीछे की वजह बताई तो उसके पैरों तले मानो जमीन खिसक गई.दरअसल, जयपुर के मंगलम सिटी में रहने वाले एक युवक की शादी प्रतापगढ़ की रहने वाली युवती से एक साल पहले हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों के अनुसार हुई थी. दुल्हन को लेकर जयपुर पहुंचे दूल्हे के घर में जैसे ही विवाह की रस्में पूरी हुईं तो दुल्हन ने अगले ही दिन तलाक लेने की बात कही. उसने कहा कि एक साल होने पर आपसी सहमति से तलाक ले लेंगे.अब जब शादी की पहली सालगिरह आई तो पत्नी ने उसी बात को वापस दोहराते हुए तलाक मांग लिया. जब पति ने इसकी वजह पूछी तो पत्नी ने बताया कि क्स्ष्ट की परीक्षा में उसे तलाक कोटे का फायदा मिल जाएगा और इसके लिए ही उसने शादी की थी, तभी तो शादी के अगले दिन तलाक मांग लिया. ऐसा सुन पति ने साफ इनकार कर दिया. लेकिन पत्नी ने उसे झूठे मुकदमे में जेल भिजवाने की धमकी दे दी. इसके बाद पीड़ित कुणाल ने कई बार पुलिस थाने के चक्कर काटे लेकिन स्न्ढ्ढक्रदर्ज नहीं हुई. अब बीते शनिवार को न्यायालय अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई है. थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, युवक ने बताया कि वह साल 2013 में फोटोग्राफी और वर्तमान में ,ष्ट रिपेयरिंग एंड सर्विसेज का कार्य कर जीवनयापन करता है. 11 साल पहले दिसंबर 2013 में प्रतापगढ़ निवासी लड़की के पिता ने फोटोग्राफी के लिए संपर्क किया था. उसी समय लड़की से पहली मुलाकात प्रतापगढ़ में ही हुई थी. लड़की साल 2016 में 12वीं पास कर कनोडिया कॉलेज जयपुर में एडमीशन लेकर पीजी में रहने आ गई. जिसके बाद लगातार युवक के संपर्क में रही. पढ़ाई के दौरान प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के बाद लड़की ने क्स्ष्ट की तैयारी भी जयपुर में रहकर की. उसी समय जयपुर के वैशाली नगर में कमरा किराये पर लेकर रहने के दौरान युवक और युवती में प्यार हो गया. फिर दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रहे और साल 2018-19 में मंगलमसिटी जयपुर में किराए के फ्लैट में रहकर लड़की क्स्ष्ट की तैयारी करने लगी. इसके बाद 27 अक्टूबर 2020 को युवती के पिता की मृत्यु हो गई. फिर 4 जुलाई 2021 को युवती के भाई के विवाह के दौरान युवक की सगाई प्रतापगढ़ में परिवारजनों और रिश्तेदारों की सहमति से हुई थी. सगाई के बाद 27 सितंबर 2022 को टीएमपी कोटे का फायदा उठाकर युवती को सहायक जन सम्पर्क अधिकारी के पद पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग प्रतापगढ़ में नौकरी लग गई. उसके पश्चात् युवती ने पीड़ित को बताया कि वह क्स्ष्ट भी क्लीयर करेगी. इसके लिए शादी से साफ इनकार कर दिया लेकिन बाद में अचानक क्स्ष्ट परीक्षा में मदद करने की बात कहकर विवाह करने के लिए तैयार हो गई. इसके बाद 17 फरवरी 2023 को हिंदू धर्म के रीति रिवाजों के अनुसार बिना दहेज की मांग किए प्रतापगढ़ में शादी संपन्न हुई. शादी के अगले दिन वह जयपुर पहुंचे तो एक साल पूरा होने पर आपस में सहमति से तलाक लेकर क्स्ष्ट परीक्षा में तलाक कोटे का फायदा उठाकर चयन होने की बात कहकर सहयोग मांगा. तब युवक ने इसका कोई जवाब नहीं दिया लेकिन कुछ दिन बाद पत्नी वापस प्रतापगढ़ जाने की जिद्द करने लगी लेकिन मना करने के बावजूद चली गई. इसके बाद फोन पर संपर्क तोड़ बातचीत करना भी बंद कर दिया. लेकिन फिर शादी का एक साल पूरा होने पर युवक सालगिरह मानने के लिए प्रतापगढ़ पहुंचा, लेकिन पत्नी ने पति को धमकायाङ्क कि सहमति से तलाक के लिए राजी होने पर ही विवाह की वर्षगांठ मनाऊंगी, वरना झूठे केस में फंसा दूंगी.

कक्षा दसवीं कक्षा की सीबीएस सी स्कूलो के रिजल्ट घोषित

बलवाडा-प्रेम प्रकाश इन्टरनेशनल स्कूल ने सौ प्रतिशत रिजल्ट बनाया पालको ने माना शिक्षकों का आभार

प्रेम प्रकाश स्कूल बागोंद का कक्षा 10 वी का रिजल्ट शतप्रतिशत रहा कुमारी पायल सोलकी ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सस्था मे प्रथम स्थान प्राप्त किया वही करिश्मा कोथे ने द्वितीय स्थान पर रही जिसने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। प्रचार्य विनोद कनारे व डारेक्टर विनोद जैन ने सभी बच्चों को उज्वल भविष्य की कामना का आशीर्वाद देते हुए कहा की सस्था के शिक्षको व पालको का विश्वास का प्रतिफल यह

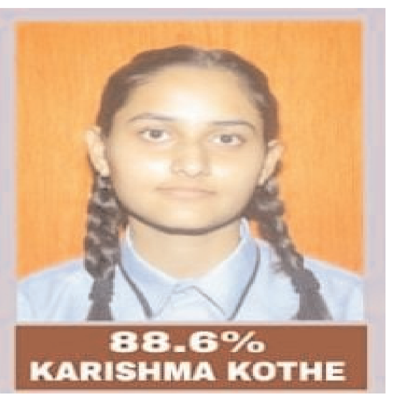
88.6%
KARISHMA KOTHE

92%
PAYAL SOLANKI

सर्पदंश से ग्राम कस्मारिया की माली समाज की 1 महिला की दुःखद मौत

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पोस्टमार्टम के बाद मृतक के शव को परिजनों को सोंपा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कस्मारिया में माली समाज में एक दुखद घटना घटित हो गई।जिसमें जहरीले जानवर के काटने से एक महिला की मृत्यु हो गई।विस्तृत जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बधावा के ग्राम कस्मारिया में जहरीले जानवर सांप के काटने से शंभूलाल माली की धर्मपत्नि श्रीमती प्रेमबाई उम्र 45 वर्ष निवासी कस्मारिया की मृत्यु हो गई। मृतक महिला के एक 14 वर्षीय नाबालिग पुत्र जो मामा के यहां रहता है।एवं तीन लड़कियां है।जिनकी शादी हो गई है।घर में मृतक महिला अकेली रहती थी। उसका पति खेत पर बोई गई फसल की रखवाली के लिये खेत पर ही रहता था। शाम को खेत पर अपने पति को भोजन देने के बाद महिला घर आ गई थी।मंगलवार सुबह लगभग 8:30 तक भी महिला प्रेमबाई के घर का दरवाजा नहीं खुलने पर जब पड़ोस मे रहने वाले परिजनो ने दरवाजा खोल कर देखा तो महिला का पूरा शरीर पूरी तरह से काला पड़ चुका था।परिजनो एवं ग्रामीणों के अनुसार महिला की जहरीले

जानवर सांप के काटने से मृत्यु हुई है।जिस पर परिजनों ने रतनगढ़ थाने पर सूचना देकर वहां पहुंच कर प्राथमिकी दर्ज करवाई।साथ ही कस्बा पटवारी नरेश सागर को भी महिला के सर्पदंश से मृत्यु होने की सूचना दी गई।एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतनगढ़ पर पोस्टमार्टम के लिए मृतक के शव को पहुंचाया।जहां स्वास्थ्य केंद्र पर पदस्थ चिकित्सक फिरोज कत्थाट के द्वारा महिला का पोस्टमार्टम कर शव परिजनो को सौंपा गया।

कलेक्टर एवं एसपी ने जिला अस्पताल पहुंच कर बस दुर्घटना में घायल कर्मचारियों का हाल चाल जाना और डॉ को बेहतर इलाज के निर्देश दिए

मंदसौर मंदसौर- कलेक्टर दिलीप कुमार यादव एवं पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने जिला अस्पताल मंदसौर पहुंचकर बस दुर्घटना में घायल चुनावी कर्मचारियों के हाल-चाल पूछे तथा सिविल सर्जन एवं सीएमएचओ को निर्देश दिए की सभी कर्मचारियों का बेहतर तरीके से इलाज किया जाए। सुवासरा मंदसौर रोड पर राठौर कॉलोनी के पास बस और ट्राले की भिड़ंत में चुनावी ड्यूटी से आ रहे हैं, बस में सवार कर्मचारी घायल हो गया थे। घायलों को सुवासरा प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर किया। जिला अस्पताल में घायल कर्मचारी का इलाज चल रहा है।

96 वर्षीय राठी ने किया मतदान

राणापुर - लोकतंत्र के महाउत्सव पर नवयुवकों के साथ बुजुर्गों में भी काफी उत्साह देखने मिला।राष्ट्रहित और सविधान की रक्षा में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए कर्तव्य अदा किया। देश में चल रहे महंगाई,अराजकता और लोकतंत्र की हत्या के विरोध में, संविधान को तोड़ मरोड़ करने के मंसूबे पाले मोदी के विरोध में कांग्रेसी विचार धारा वालो में मतदान किया वही भाजपाइयों ने श्री राम और हिंदुत्व के नाम पर वोट किये। राणापुर ब्लाक के मुख्यालय पर जहा भाजपाइयों के जितने के आसार दिख रहे हे वही ब्लाक के ग्रामीण क्षेत्रो में कांग्रेस को भारीभरकम वोट मिलने के दावे किए जा रहे हे। नगर के बुजुर्ग राधाकृष्ण राठी ने 96 वर्ष की उम्र में पैदल बुत पर जाकर मतदान किया । कांग्रेस के जिलामंत्री सुरेश समीर ने अपनी पत्नी के साथ बुत क्रमांक 288 पर वोट किया।

प्रेक्षक और रिटर्निंग अधिकारी की उपस्थिति में संपन्न हुई संवीक्षा

झाबुआ - भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान के दूसरे दिन मंगलवार को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज झाबुआ में मतदान के समस्त मतदान केंद्रो से प्राप्त प्रारूप 17 'ए' तथा अन्य दस्तावेजों की रिटर्निंग अधिकारी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना, सामान्य प्रेक्षक श्री वी संपत सहित प्रत्याशियों के अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संवीक्षा की कार्यवाही संपादित की गई। इस दौरान संसदीय क्षेत्र रतलाम के समस्त सहायक रिटर्निंग ऑफीसर उपस्थित रहे। संसदीय क्षेत्र रतलाम के रिटर्निंग अधिकारी नेहा मीना ने मतदान सामग्री जमा स्थल शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज झाबुआ में विधानसभा क्षेत्रवार झाबुआ, थांदला, पेटलावद, अलीराजपुर, जोबट, रतलाम ग्रामीण, रतलाम शहर एवं सैलाना के मतदान केंद्रो की संवीक्षा की। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों के संपूर्ण मतदान केंद्रो में उनके पीठासीन अधिकारी द्वारा दी गई रिपोर्ट और प्रारूप 17 'ए' की संवीक्षा प्रेक्षक की उपस्थिति में रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा की जाती है। झाबुआ जिले के 3 विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन में हुए मतदान की मतगणना 4 जून 2024 को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज झाबुआ में की जायेगी।

नंदवाना फीडर की साफ सफाई करवाने हेतु उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सोपा

कपासन नगर कांग्रेस कमेटी कपासन के तत्वाधान में नन्दवाना फिडर की सफाई एवं कपासन तलाब के पाल की रिपेरिंग व गुलाब सागर को गहरा करने की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी राजीव बडगूजर को ज्ञापन सोपा।ज्ञापन में बताया कि बनास नदी से कपासन तालाब को भरने के लिए नन्दवाना फीडर बनी हुई हैं। जिससे कई वर्षों से इस फीडर के माध्यम से तालाब की जल आपूर्ति होती आयी हैं।मगर फीडर के अन्दर जगह जगह अवरोध हो जाने एवं झाडीया उग जाने से बनास नदी का पानी कपासन तालाब तक नहीं पहुंच पा रहा हैं। इसलिए मानसून पूर्व नन्दवाना फीडर की सफाई कराना अति आवश्यक है।साथ ही कपासन तालाब की पाल जीण क्षीण हो रही हैं।कुछ जगहो पर पेड पौधे उग गये हैं।जिससे जिसे रिपेरिंग कराना अति आवश्यक है।इसी प्रकार गुलाब सागर की सफाई करवाकर गहरा कराया जाना अति आवश्यक हैं।जिससे बरसात का पानी संग्रहित किया जाकर नगर में वाटर लेवल सही रह सके तथा गुलाब सागर की पाल की रिपेरिंग भी कराया जाना भी अति आवश्यक है।साथ ही उपखंड अधिकारी से अनुरोध किया कि जन हित के लिए ध्यान में रखते हुए सरकार या विधायक मद/ सांसद मद,डीएमएफटी, जिला कलेक्टर,राहत कोष से बजट सेक्शन करा अविंलब कार्य को कराने की कृपा करावे,जिससे बारिश के मौसम में कपासन का तालाब भरा जा सके और कपासन की भीषण पेयजल की समस्या का स्थाई समाधान हो सके।इस अवसर पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष शंकरलाल प्रजापत उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिरोया संगठन महामंत्री गुड्डु खान नगर कांग्रेस प्रवक्ता विजय बारेगामा सेवादल नगर अध्यक्ष भवानी शंकर लोहार भावेश झंवर ब्लॉक प्रवक्ता मधुसूदन कुमावत मोहम्मद शेर अंसारी नगर मंडल प्रवक्ता सुनील प्रधान रोहित कोदली रवि सोनी विनय खटीक आदि उपस्थित रहे।

जिला जेल विदिशा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ

50 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की गईं

विदिशा स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आज जिला जेल विदिशा में कैद बंदियो के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु शिविर का आयोजन कर उन्हें आवश्यकतानुसार निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉक्टर शिरिष रघुवंशी ने बताया कि जिला चिकित्सालय विदिशा के नेतृत्व में पांच सदस्यी चिकित्सीय दल ने जिला जेल विदिशा में कैदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया है। स्वास्थ्य परीक्षण करने वाले चिकित्सक दल में नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर अजय उपाध्याय के अलावा सर्जरी विशेषज्ञ डॉक्टर अनूप वर्मा, ईइनटी स्पेशलिस्ट डॉक्टर विवेक गुप्ता, मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर अशोक राजपूत, डीआरपी डॉक्टर अमित गुप्ता के द्वारा 50 कैदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिनमें 15 कैदी मनोरोग, 10 कैदी ईएन टी, 8 कैदी नेत्र रोग से पीड़ित पाए गए। सभी कैदियों को परीक्षण के उपरांत आवश्यकता अनुसार निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर शिरीष रघुवंशी सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय विदिशा द्वारा सभी कैदियों को आवश्यक मार्गदर्शन देते हुए उन्हें साफ-सफाई और जेल में योग तथा व्यायाम करने की सलाह दी गई।

इंडोनेशिया में बाढ़ से मृतकों की संख्या 52 हुई

बचावकर्मी नदियों और मलबों में कर रहे लोगों की तलाश

इंटरनेशनल डेस्क: इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप में अचानक आई बाढ़ की तबाही थमने का नाम नहीं ले रही है। बचावकर्मियों ने मंगलवार को नदियों और बाढ़ से प्रभावित गांवों में मलबे में लोगों की तलाश जारी रखी। मानसून की भारी बारिश और भूस्खलन तथा माउंट मेरापी से निकले लावे ने शनिवार को आधी रात से ठीक पहले पश्चिमी सुमात्रा प्रांत के चार जिलों में कहर बरपा दिया।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने कहा कि बाढ़ में कई लोग और 79 मकान बह गए तथा कई घर और इमारतें जलमग्न हो गईं। नतीजतन 3,300 से अधिक निवासियों को अस्थायी सरकारी सहायता केन्द्रों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मुहारी ने कहा कि मंगलवार तक कीचड़ और नदियों से 52 शवों को

निकाला जा चुका है। बचावकर्मी उन 20 लोगों की तलाश कर रहे हैं, जो लापता बताए जाते हैं।

इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने कहा कि आगामी दिनों में पश्चिम सुमात्रा प्रांत में और अधिक बारिश होने का अनुमान है और अगले सप्ताह तक अत्यधिक बारिश हो सकती है। बचावकर्मी सात लोगों के समूह में से उन चार लोगों को भी खोज रहे हैं, जो अपनी कार के साथ बह गए थे। प्रांतीय राजधानी पडांग में खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख अब्दुल मलिक ने कहा कि सोमवार को तीन अन्य शवों को बाहर निकाला गया। मलिक ने कहा कि दूरदराज के इलाकों में अभी भी पहुंच संभव नहीं है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।

इंडोनेशिया के 'सेंटर फॉर वोल्केनोलॉजी एंड जियोलॉजिकल डिजास्टर मिटिगेशन के अनुसार, माउंट मेरापी ज्वालामुखी को अचानक विस्फोटों के लिए जाना जाता है। मेरापी में विस्फोटों का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि स्रोत उथला है और शिखर के पास है। मेरापी ज्वालामुखी जनवरी 2024 में एक विस्फोट के बाद से सक्रिय है। यह इंडोनेशिया में 120 से अधिक सक्रिय ज्वालामुखी में से एक है। पैसिफिक 'रिंग ऑफ फायर पर स्थित होने के कारण देश आए दिन भूकंप के झटकों का अनुभव करता रहता है।

विदेशों में नहीं थम रहे भारतीयों पर हमले

लंदन में एक भारतीय मूल की महिला की चाकू से गला काटकर हत्या

इंटरनेशनल डेस्क: विदेशों में भारतीयों पर हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। लंदन में मंगलवार को बस स्टॉप पर इंतजार कर रही एक 66 वर्षीय भारतीय मूल की महिला की चाकू से गर्दन काटकर हत्या कर दी गई। हत्या के आरोपी की उम्र 22 साल है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया। जिसके बाद उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) में चिकित्सा सचिव के रूप में अंशकालिक काम करने वाली अनीता मुखी पिछले हफ्ते लंदन के एजवेयर इलाके में बर्न्ट ओक ब्रॉडवे बस स्टॉप पर इंतजार कर रही थीं, जब जलाल देबेला ने कथित तौर पर उनकी छाती और गर्दन पर चाकू से वार किया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने कहा, बर्न्ट ओक ब्रॉडवे में चाकूबाजी की रिपोर्ट 9 मई को लगभग 11ः50 बजे पुलिस को बुलाया गया। जलाल देबेला को बाद में 9 मई को उत्तरी लंदन के

कॉलिंडेल क्षेत्र में हत्या के संदेह में गिरफ्तार किया गया और उन पर अनीता मुखी की हत्या और आक्रामक हथियार रखने का भी आरोप लगाया गया। क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) ने अदालत को बताया कि मौत का प्रारंभिक कारण छाती और गर्दन के सामने तेज बल की चोटें पाया गया है। अनीता मुखी के परिवार ने एक बयान में कहा, 66 साल की अनिता मुखी एक विवाहित मां और अपने परिवार के प्रति समर्पित दादी थीं, जिन्होंने एनएचएस में चिकित्सा सचिव के रूप में अंशकालिक काम भी किया था। परिवार इस कठिन समय में गोपनीयता की मांग करता है। रिपोर्टों के मुताबिक, मौके पर मौजूद लोग चीखने-चिल्लाने लगे और संदिग्ध को रुकने के लिए कहने लगे क्योंकि दिन के उजाले के हमले से पूरा समुदाय सदमे में था।

मैंने कभी हिंदू या मुस्लिम नहीं कहा, मैंने गरीब परिवारों की बात की: पीएम मोदी

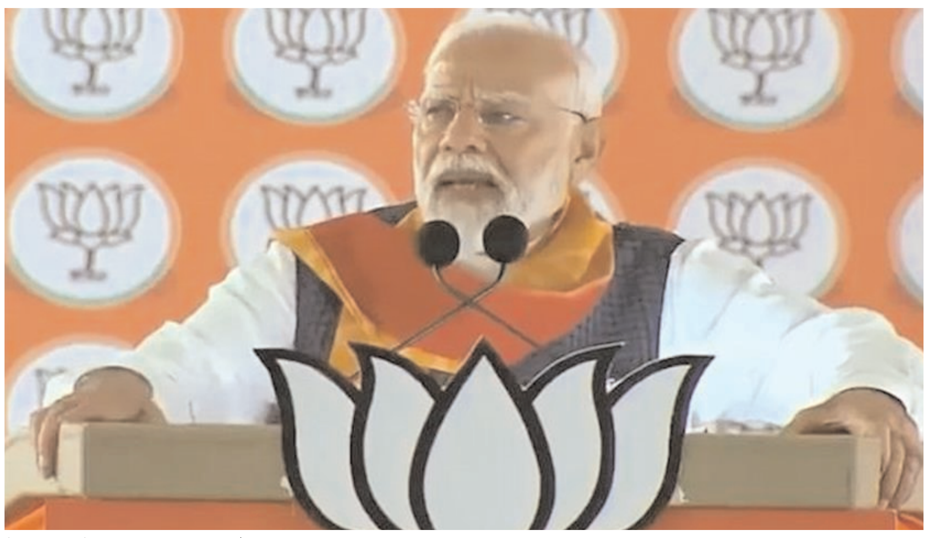

नेशनल डेस्क- अपनी घुसपैठियों और अधिक बचों वाले टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण देते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने केवल मुसलमानों के बारे में बात नहीं की, बल्कि हर गरीब परिवार के बारे में बात की, उन्होंने कहा कि जिस दिन वह हिंदू-मुस्लिम करना शुरू कर देंगे, सार्वजनिक जीवन के अयोग्य होगा। उन्होंने आगे कहा कि, वह मुसलमानों के प्रति प्यार की मार्केटिंग नहीं करते, मैं वोट बैंक के लिए काम नहीं करता। मैं सबका साथ, सबका विकास में विश्वास रखता हूं।

आगे बढ़ते हुए उन्होंने कहा, मैं हैरान हूं। आपसे किसने कहा कि जब भी कोई अधिक बचों वाले लोगों के बारे में बात करता है, तो यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि वे मुस्लिम हैं? आप मुसलमानों के प्रति इतने अन्यायपूर्ण क्यों हैं? गरीब परिवारों में भी यही स्थिति है। जहां गरीबी है, वहां बचे अधिक हैं, चाहे उनका सामाजिक दायरा कुछ भी हो। मैंने न तो हिंदू का जिक्र किया और न ही मुस्लिम का। मैंने कहा है कि व्यक्ति को उतने ही बचे पैदा करने चाहिए जितने की आप देखभाल कर सकें। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को कहा, ऐसी स्थिति न आने दें कि सरकार को आपके बचों का ख्याल रखना पड़े।

गोधरा के बाद हुए दंगों का जिक्र

में गोधरा के बाद हुए दंगों का जिक्र करते हुए जब वह राय के मुख्यमंत्री थे, पीएम मोदी ने कहा कि उनके विरोधियों ने 2002 (गोधरा दंगों) के बाद मुसलमानों के बीच उनकी छवि खराब कर दी। यह मुद्दा मुसलमानों के बारे में नहीं है। भले ही व्यक्तिगत तौर पर मुसलमान मोदी के कितने भी समर्थक क्यों न हों, विचार की एक लहर है जो उन्हें निर्देशित करती है, यह करो, वह करो। मेरे घर में, मेरे आस-पास सभी मुस्लिम परिवार रहते हैं। आगे इसके बारे में बात करते हुए मोदी ने कहा, हमारे घर में ईद भी मनाई जाती थी और हमारे घर में अन्य त्यौहार भी होते थे। ईद के दिन हमारे घर में खाना नहीं बना। सभी मुस्लिम परिवारों से मेरे यहां खाना आता था। जब मुहर्रम शुरू हुआ तो हमें ताजिया के नीचे से निकलना होता था, ये सिखाया गया. मैं उसी दुनिया में बड़ा हुआ हूं. आज भी मेरे बहुत से दोस्त मुसलमान हैं. 2002 (गोधरा) के बाद मेरी छवि खराब हो गई थी। यह पूछे जाने पर कि क्या इस लोकसभा चुनाव में मुस्लिम उन्हें वोट देंगे, उन्होंने कहा, देश की जनता मुझे वोट देगी। पीएम मोदी ने कहा, जिस दिन मैं हिंदू-मुसलमान करना शुरू कर दूंगा, उस दिन मैं सार्वजनिक क्षेत्र में रहने का हकदार नहीं रहूंगा। मैं हिंदू-मुस्लिम नहीं करूंगा। यह मेरी प्रतिज्ञा है।

सार्वजनिक रैली में लगाया आरोप

पहले, प्रधान मंत्री मोदी ने राजस्थान में एक सार्वजनिक रैली में आरोप लगाया कि कांग्रेस लोगों का सोना और संपत्ति छीनना चाहती है और इसे उन लोगों के बीच वितरित करना चाहती है जिनके पास अधिक बचे हैं। सत्ता में आने पर धन का पुनर्वितरण करने की कांग्रेस की मंशा के बारे में रिपोर्टों का हवाला देते हुए, प्रधान मंत्री ने कहा कि पार्टी एक सर्वेक्षण कराएगी और वे महिलाओं के पास मंगलसूत्र भी नहीं रहने देंगे और इस हद तक जाएंगे। बताते चलें कि प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश की वाराणसी लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रधानमंत्री इस निर्वाचन क्षेत्र से लगातार तीसरी बार चुनाव जीतने की कोशिश कर रहे हैं और रिकॉर्ड अंतर से जीत की उम्मीद कर रहे हैं। मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार पीएम मोदी ने जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वाराणसी में लोकसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में 1 जून को मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी।

व्हाइट हाउस में बजाई गई 'सारे जहां से अछा हिन्दोस्तां हमारा गीत की धुन

परोसे गए गोलगप्पे और समोसे

वाशिंगटन- अमेरिका के व्हाइट हाउस ने भारतीय संगीत और भोजन की प्रस्तुति के साथ एशियाई अमेरिकी विरासत माह मनाया। इस दौरान मरीन बैंड ने लोकप्रिय भारतीय देशभक्ति गीत सारे जहां से अछा हिंदुस्तान हमारा दो बार बजाया। मेहमानों को व्हाइट हाउस में बने गोलगप्पे और समोसा और खोया सहित भारतीय स्ट्रीट फूड परोसा गया। व्हाइट हाउस के मरीन बैंड ने सोमवार को कई एशियाई अमेरिकियों के समक्ष 'सारे जहां से अछा हिन्दोस्तां हमारा गीत की धुन बजायी। एशियाई अमेरिकी व्हाइट हाउस में 'एशियन अमेरिकन, नेटिव हवाई एंड पेसिफिक आइलेंडर (एएएनएचपीआई) 'विरासत माह का जश्न मनाने के लिए एक स्वागत समारोह में राष्ट्रपति जो बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ इकट्ठा हुए थे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान मोहम्मद इकबाल द्वारा लिखे गए देशभक्ति गीत की धुन को भारतीय

अमेरिकियों के अनुरोध पर मरीन बैंड ने दो बार बजाया। राष्ट्रपति की ओर से इस वार्षिक कार्यक्रम के लिए भारतीय अमेरिकियों को आमंत्रित किया गया था। भारतीय अमेरिकी समुदाय के नेता अजय जैन भुतोरिया ने समारोह के बाद एक साक्षात्कार में बताया, ''व्हाइट हाउस के एएएनएचपीआई विरासत माह के उपलक्ष्य में रोज गार्डन में आयोजित किया गया समारोह एकदम अद्भुत था। सबसे अछी बात यह रही कि जैसे ही मैं व्हाइट हाउस में गया संगीतकारों ने 'सारे जहां से अछा हिन्दोस्तां हमारा गीत की धुन बजाकर मेरा स्वागत किया। एक साल से भी कम समय में यह दूसरी बार है जब व्हाइट हाउस में भारत का लोकप्रिय देशभक्ति गीत बजाया गया। आखिरी बार पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान ऐसा किया गया था। मरीन बैंड ने बताया कि उसने राजकीय दौरे से पहले इसका अभ्यास किया था। कैलिफोर्निया में रह रहे भुतोरिया ने कहा, ''मुझे बेहद अछा लगा। व्हाइट हाउस में मेरे लिए यह गर्व का पल था... मैंने उनके साथ गाना शुरू किया और फिर मैंने उनसे इसे एक बार फिर से बजाने का अनुरोध किया। उन्होंने मेरा अनुरोध मान लिया और बताया कि वे इसे दूसरी बार बजा रहे हैं। इससे पहले व्हाइट हाऊस में जब प्रधानमंत्री मोदी आए थे तो उन्होंने इसे बजाया था और उसके बाद आज फिर वे इसे बजा रहे हैं। यह बेहद मनोरम दृश्य है कि आज व्हाइट हाउस में 'सारे जहां से अछा हिन्दोस्तां हमारा गीत सुनने को मिला। इस समारोह के दौरान अमेरिकी सर्जन जनरल डॉ. विवेक मूर्ति ने ड्रम बजाकर वहां मौजूद सैकड़ों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

5 साल में दोगुना हो गई अनुराग की संपत्ति, रायजादा की पांच साल में घटी कमाई

नेशनल डेस्क- भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने नामांकन के साथ अपनी संपत्ति की घोषणा भी की है। 5 साल में उनकी संपत्ति दोगुना हो गई है। उनकी संपत्ति में 5.30 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। अनुराग ठाकुर ने अपने शपथ पत्र में अपनी संपत्ति 10.97 करोड़ बताई है। अनुराग हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। अनुराग की टक्कर कांग्रेस के सतपाल रायजादा से है, जो पहले विधायक भी रह चुके हैं। रायजादा के पास ढाई करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है। पांच साल के आयकर रिटर्न पर नजर डाली जाए, तो रायजादा की आय पहले के मुकाबले घट गई है। साल 2022-23 की आयकर रिटर्न में सतपाल रायजादा अपनी आय 9.36 लाख है। साल 2018-19 में यह 16.65 लाख से अधिक थी।

सुरक्षा के लिए अनुराग व उनकी पत्नी के पास दो पिस्तौल

जानकारी के मुताबिक अनुराग ठाकुर ने 2014 के लोकसभा चुनाव में अपनी चल और अचल संपत्ति 4.62 करोड़ रुपये बताई थी। 26 अप्रैल, 2019 को चुनाव आयोग को अनुराग ने अपने शपथ पत्र में 5.67 करोड़ रुपये की संपत्ति बताई थी। अनुराग ठाकुर और उनकी पत्नी के नाम पर 3.25 लाख और 2.50 लाख रुपये के दो पिस्तौल हैं। इसमें से एक बेल्जियम में बना है। अनुराग और उनकी पत्नी के पास 55.51 लाख रुपये के सोने के गहने हैं। इसके अलावा, उनके पास 1 लाख का कीमती स्टोन भी है। उनके पास पंजाब में जालंधर, धर्मशाला, कुल्लू, कपूरथला और समीरपुर में लाखों रुपये के प्लॉट और घर हैं। अनुराग ठाकुर ने शेयर मार्केट में 47 लाख रुपये इनवेस्ट किए. अनुराग के बेटे जय आदित्य सिंह के पास 1.33 लाख और उदयवीर सिंह के पास 81 हजार रुपये की संपत्ति है।

बेटे अपने पिता से अमीर

हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से प्रत्याशी सतपाल रायजादा के पास 6.48 लाख के 90 ग्राम के सोने के गहने हैं। वहीं, उनकी पत्नी के पास भी 12.24 लाख के 170 ग्राम के सोने के जेवर हैं। दोनों बेटों के पास माता-पिता से ज्यादा चल संपत्ति है। रायजादा के पास 41.53 लाख की चल संपत्ति है। वहीं, पत्नी के पास 1.22 करोड़ रुपए की चल संपत्ति और दोनों बेटों के पास दो 2.20 करोड़ रुपए के अचल संपत्ति है। सतपाल सिंह रायजादा की अचल संपत्ति की बात की जाए, तो उनके पास 2.15 करोड़ रुपए और पत्नी के पास 9.88 करोड़ रुपए से अधिक अचल संपत्ति है। रायजादा पर 21 लाख रुपए और धर्मपत्नी पर 78 लाख रुपए का लोन है। रायजादा के पास 22 लाख की कीमत की टोयोटा इनोवा कर और बेटे के पास टोयोटा ग्लैंजा कार है।

यूक्रेन के साथ युद्ध के बीच चीन का दौरा करेंगे पुतिन

रणनीतिक संबंधों समेत कई मुद्दों पर होगी चर्चा

इंटरनेशनल डेस्क: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस सप्ताह चीन की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर आएंगे। चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस यात्रा को अमेरिका नीत पश्चिमी उदारवादी वैश्विक व्यवस्था के खिलाफ दो आधिपत्यवादी सहयोगी देशों के बीच एकजुटता के प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है।

यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से करेंगे मुलाकात पुतिन

विदेश मंत्रालय ने बताया कि पुतिन बृहस्पतिवार से शुरू हो रही अपनी यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। उसने कहा कि दोनों नेता ''द्विपक्षीय संबंधों के अनेक क्षेत्रों में सहयोग पर और साझा चिंता वाले अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत करेंगे। रूस ने एक बयान में यात्रा की पुष्टि करते हुए कहा कि शी के निमंत्रण पर पुतिन चीन की यात्रा करेंगे। उसने कहा कि यह पुतिन का पांचवां कार्यकाल शुरू होने के बाद उनकी पहली विदेश यात्रा है। चीन ने यूक्रेन युद्ध में राजनीतिक रूप से रूस का समर्थन किया है और वह दरअसल हथियारों का निर्यात किए बिना रूस के युद्ध के प्रयासों में योगदान के रूप में मशीन कलपुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य वस्तुओं का निर्यात जारी रखे हुए है। चीन ने रूस-यूक्रेन युद्ध में खुद को तटस्थ दिखाने की कोशिश की है, लेकिन पश्चिमी देशों के खिलाफ रूस के साथ अपने संबंधों को 'असीमित% घोषित किया है। रूस-चीन अफ्रीका, पश्चिम एशिया और दक्षिण अमेरिका में स्थापित करना चाहते हैं अपना प्रभाव दोनों पक्षों ने शृंखलाबद्ध तरीके से संयुक्त सैन्य

अभ्यास आयोजित किए हैं और चीन ने यूक्रेन के खिलाफ दो साल पुराने अभियान के जवाब में रूस के खिलाफ आर्थिक प्रतिबंधों का लगातार विरोध किया है। दोनों बड़े देशों का विभिन्न लोकतंत्रों और नाटो के साथ विवाद बढ़ रहा है। दोनों ही अफ्रीका, पश्चिम एशिया और दक्षिण अमेरिका में प्रभाव स्थापित करना चाहते हैं।

पिछले हफ्ते यूरोप की पांच दिवसीय यात्रा करके लौटे हैं शी जिनपिंग

पुतिन की यह यात्रा ताईवान के नए राष्ट्रपति के रूप में विलियम लाई चिंग-ते के सोमवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह से कुछ दिन पहले होने जा रही है। चीन स्वशासी द्वीपीय लोकतंत्र ताईवान पर अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है और जरूरत पड़ने पर उस पर जबरन कब्जा करने की धमकी देता है। शी पिछले सप्ताह यूरोप की पांच दिवसीय यात्रा करके लौटे हैं। वह हंगरी और सर्बिया भी गए थे जिन्हें रूस के करीब माना जाता है। पांच साल में शी की पहली यूरोप यात्रा को चीन का प्रभाव बढ़ाने की कोशिश के रूप में देखा गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569